आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

हरियाणा में कांग्रेस को एकतरफा बढ़त

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 36 ● नई दिल्ली ● 08 से 14 सितम्बर 2024

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विशेष सत्र में ममता सरकार में कानून मंत्री मोलॉय घटक ने एंटी रेप बिल पास कर दिया है। इसे अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 नाम दिया है। अब बंगाल में रेप के दोषी को 10 दिन में मौत की सजा और मामले की जांच 36 दिन में पूरी करनी होगी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बाद से ही डॉक्टर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटना के बाद ही ममता सरकार एंटी रेप बिल लाई है। अब सवाल उठता है कि क्या ममता का अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक महिला सुरक्षा की गारंटी बन पाएगा।

दरअसल, रेप के दोषियों को फांसी की सजा का प्रावधान पहले से ही कानून में है। हर साल रेप के कई मामलों में दोषियों को फांसी की सजा सुनाई भी जाती है। लेकिन बीते 20 साल में रेप और मर्डर के मामले में पांच दोषियों को ही फांसी की सजा मिली है। दोषियों को मौत की सजा देने का विरोध भी होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई फैसलों में माना है कि मौत की सजा केवल रेयरेस्ट ऑफ द रेयर मामलों ही दी जानी चाहिए।

॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥

हरियाणा में नायब सैनी सरकार के कार्यकाल से लगभग एक महीने पहले ही 90 सीटों वाली विधानसभा के लिए चुनाव का ऐलान हो गया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जब बीजेपी ने मनोहर लाल खट्टर की जगह ओबीसी नेता नायब सिंह सैनी को कमान सौंपी थी, तभी से विधानसभा चुनाव के जल्द होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। नायब सैनी की नियुक्ति को पिछड़े वर्ग के वोटों को साधने की कोशिश के तौर पर देखा गया था, लेकिन उन्हें लोकसभा की 10 सीटें बचाए रखने के मुश्किल काम में कामयाबी नहीं मिली। फिर भी, वह अपने राजनीतिक गुरु खट्टर के खिलाफ भारी सत्ता विरोधी लहर को कम करने में कामयाब रहे।

मनोहर लाल करनाल की सुरक्षित सीट से लोकसभा के लिए चुने गए और केंद्रीय मंत्री

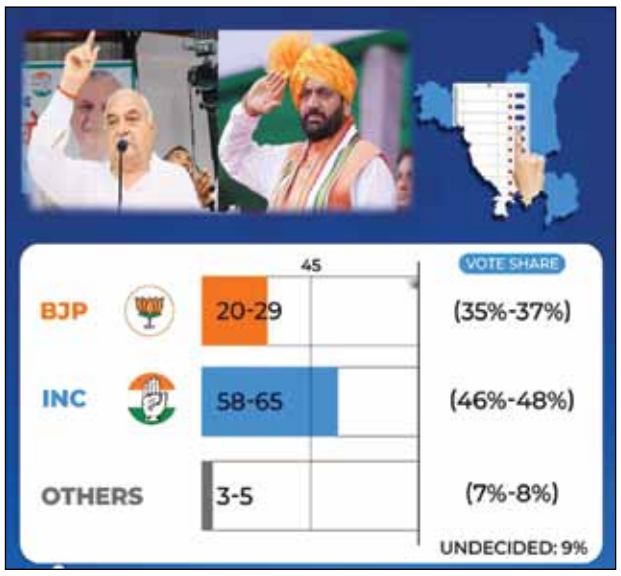

बन गए। ऐसा माना जाता है कि खट्टर का हरियाणा की राजनीति में 'दखल' जारी है, जिससे सैनी के लिए काम करना आसान नहीं रहा है। लेकिन अमित शाह द्वारा यह स्पष्ट करने के बाद कि बीजेपी उनके नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़ेगी, सैनी की छवि को बल मिला है। अब सैनी की जिम्मेदारी राज्य में बीजेपी को लगातार तीसरी जीत दिलाने के लिए मतदाताओं के असंतोष से पार पाना है।

लोकसभा चुनाव में, हरियाणा की राजनीति में जाट प्रभाव का मुकाबला करने के लिए ओबीसी पर ध्यान केंद्रित करने की पार्टी की रणनीति से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। इसके बजाय, जाट बनाम गैर-जाट फैक्टर ने जाट मतदाताओं को एकजुट और रणनीतिक रूप से मतदान करने के लिए प्रेरित किया, ताकि उनके समुदाय के गैर-भाजपा उम्मीदवारों को वोट मिल सके। बीजेपी के लिए चिंता की बात यह है कि खट्टर की प्रमुख योजना, परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) को लेकर मतदाताओं में असंतोष है। इस योजना की आलोचना की गई है कि डेटा के अनुचित संग्रह के कारण निवासियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इनमें राज्य की सबसे लोकप्रिय पेंशन योजना भी शामिल है, जिसे पहली बार पूर्व उप प्रधान मंत्री और जाट नेता देवी लाल ने शुरू किया था।

पीपीपी के खिलाफ गुस्सा इतना ज्यादा है कि अब हर जिले में समाधान शिविर चलाए जा रहे हैं, जहां एक विशेष

शेष पृष्ठ 2 पर

सेबी प्रमुख माधवी पर लगे गंभीर आरोप

॥ उमेश जोशी ॥

इन दिनों सेबी चीफ माधवी पुरी बुच चर्चा के केंद्र में बनी हुई हैं। एक के बाद एक आरोप इनपर लग रहे हैं। हालांकि अभी तक लगे सभी आरोपों को सेबी प्रमुख ने निराधार बताया है और सफाई पेश की है। माधवी पुरी बुच पर हिंडनबर्ग आरोप से लेकर आईसीआईसीआई बैंक से सैलरी लेने और फिर कर्मचारियों के लिए टॉक्सिक वर्क कल्चर जैसे कई गंभीर आरोप लग चुके हैं। कांग्रेस माधवी पुरी से लगातार सेबी चीफ के पद से इस्तीफा देने की मांग कर रही है। अब एक नई खबर आई है कि सरकारी खर्चों पर निगरानी रखने वाली संस्था लोक लेखा समिति (पीएसी) ने इस साल अपने एजेंडे में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रदर्शन की समीक्षा को शामिल करने का निर्णय लिया है। इंडियन एक्सप्रेस

की रिपोर्ट के अनुसार, संसदीय समिति ने अपना एजेंडा अधिसूचित कर दिया है और समीक्षा प्रक्रिया के दौरान वर्तमान सेबी प्रमुख को तलब कर सकती है। ऐसे में देखा जाए तो सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच चौतरफा घिरती हुई नजर आ रही हैं।

कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि बुच ने 2017 से 2024 के बीच आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल, ईएसओपी से 16.80 करोड़ रुपये हासिल किए थे। कांग्रेस का दावा था कि बुच ने सेबी चीफ रहते इतनी सैलरी नहीं पाई, जितनी कि उन्हें प्राइवेट बैंक से मिल रहे थे। हालांकि बैंक ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा था कि रिटायरमेंट के बाद उन्हें सैलरी नहीं दी जा रही थी, बल्कि रिटायरमेंट बेनिफिट दिए जा रहे थे। वित्त मंत्रालय को सेबी के 500 कर्मचारियों ने पत्र लिखा था कि माधवी पुरी बुच मीटिंग्स में चिल्लाती है और डांटती है। सेबी प्रमुख पब्लिकली बेइज्जती भी करती हैं। उनका आरोप था कि पिछले दो-तीन साल से सेबी में टॉक्सिक माहौल है। वर्क कल्चर खराब हो चुका है। कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय को यह लेटर 5 पन्नों में दिया था। वहीं

शेष पृष्ठ 2 पर

कश्मीर में सरकार बनी तो राज्य का दर्जा मिलेगा

॥ विनीता यादव ॥

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में चुनावी अभियान की शुरूआत कर दी है। जम्मू-कश्मीर के रामबन की रैली में राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा, बेरोजगारी, बिजली समस्या और देश में फैली नफरत को लेकर अपनी बात शुरू की।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार राज्य का दर्जा छीना गया है। एक राज्य को खत्म कर दिया और लोगों के अधिकार छीन लिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में बीजेपी और आरएसएस के लोग नफरत और हिंसा फैला रहे हैं। उनका काम नफरत फैलाना है और हमारा काम मोहब्बत

फैलाने का है। वह तोड़ते हैं और हम जोड़ते हैं। नफरत को मोहब्बत से ही हराया जा सकता है। आखिर में मोहब्बत की ही जीत होती है। पहले नरेंद्र मोदी छाती फैलाकर आते थे और अब झुककर आते हैं। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार स्टेटहुड छीना गया है।

राहुल गांधी ने रैली में मौजूद जनता से कहा कि आपका राज्य ही नहीं छीना गया है, आपके अधिकार, आपकी संपत्ति, सब कुछ छीना जा रहा है। 1947 में हमने राजाओं को हटाकर लोकतांत्रिक सरकार बनाई, हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू-कश्मीर में राजा हैं, उनका नाम एलजी है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और चुनाव जम्मू-कश्मीर के राज्य बनने के बाद हों लेकिन बीजेपी ऐसा नहीं चाहती है वे चाहते थे कि पहले चुनाव हो जाएं और फिर राज्य के दर्जे पर बात हो। बीजेपी चाहे या न चाहे, इंडिया गठबंधन उन पर दबाव बनाएगा और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलवाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की गठबंधन सरकार यहां सत्ता में आने वाली है। हम सभी सरकारी रिक्त पदों को भरेंगे और आयु सीमा को 40 साल तक बढ़ाएंगे, हम दिहाड़ी मजदूरों को नियमित और स्थायी करेंगे और हम उनकी आय बढ़ाएंगे। हमारा लक्ष्य सबको साथ लेकर जम्मू-कश्मीर की सरकार चलाना होगा, सभी का सम्मान होना चाहिए, हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए।

शेष पृष्ठ 2 पर

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में खरगे-सोनिया-राहुल और प्रियंका

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का नाम शामिल है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए कांग्रेस द्वारा निर्वाचन आयोग को सौंपी गई प्रचारकों की सूची में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, के सी वेणुगोपाल, सचिन पायलट, गुलाम अहमद मीर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का नाम भी शामिल है। कांग्रेस के चुनाव प्रचारकों की सूची में शामिल 40 नेताओं में पार्टी की जम्मू-कश्मीर

इकाई के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विकार रसूल वानी, वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद, अजय माकन, सैयद नसीर हुसैन, रजनी पाटिल, राजीव शुक्ला और मनीष तिवारी का भी नाम है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत, अमेठी के सांसद किशोरीलाल शर्मा, एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार और भारतीय युवा कांग्रेस के प्रमुख श्रीनिवास बीवी का नाम भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल है।

संपादकीय

बहराइच में आदमखोर भेड़ियों का आतंक

उत्तर प्रदेश के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों का आतंक मचा हुआ है। यहां एक बार बार फिर भेड़िये ने बच्चे और ग्रामीण पर हमला कर दिया है उसका आतंक खत्म नहीं हुआ। इसी के साथ वन विभाग की घेराबंदी के बीच भेड़िये भाग निकले हैं।

बता दें कि यहां भेड़ियों के झुंड ने अब तक आठ बच्चों और एक महिला की जान ले ली, जबकि 30 से ज्यादा लोगों को घायल कर दिया था। वन विभाग ने अब तक चार भेड़ियों को पकड़ लिया है और दो भेड़ियों की तलाश जारी है। भेड़िये शिकार करने, अपने बच्चों को पालने और अपने क्षेत्र की रक्षा करने के लिए मिलकर काम करते हैं। भेड़िये की सूंघने की क्षमता इंसान से 100 गुना ज्यादा तेज होती है। जब भेड़ियों का एक झुंड हाउल करता है, तो इसे दस मील दूर से सुना जा सकता है। हाउल को दूसरे झुंड को वापस बुलाने या खतरे की चेतावनी देने के लिए भी प्रयोग करते हैं। भेड़िया एक मांसभक्षी जानवर है जो अक्सर झुंड में शिकार करता है। अकेला भेड़िया शिकार छोटे जानवरों का शिकार करता है जैसे पक्षी, खरगोश, मछली। लेकिन झुण्ड में ये बड़े जानवरों का भी शिकार कर लेते हैं।

भेड़िये समूहों में रहते हैं जिन्हें पैक्स कहा जाता है। एक झुंड सात से आठ भेड़ियों का एक परिवार है जिसमें एक नर भेड़िया, एक मादा भेड़िया और उनकी संतानें होती हैं। भेड़िये मांसाहारी होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे अपने मुख्य भोजन के रूप में मांस खाते हैं। ग्रे भेड़िये ज्यादातर बड़े, खुर वाले जानवरों का शिकार करते हैं जिनमें विभिन्न प्रकार के हिरण, पहाड़ी बकरियां, मूस, बारहसिंगा और बाइसन शामिल हैं। वे खरगोश, ऊदबिलाव, पक्षियों और मछलियों का भी शिकार करते हैं। एक बार गाँव में एक व्यक्ति रात में टॉयलेट करते समय 2 -3 भेड़िया को देखा था उसकी आंखें चमक रही थी और एक दम छुप कर बैठा था उस समय मेरी उम्र करीब 16 साल की थी एक मोटा डंडा उठाया और ईश्वर की कृपा से आगे ही पड़ा मिला और गुरु गोविन्द सिंह का नाम मन में लिया साहस बढ़ा और गुरु की कृपा से बच निकला क्योंकि वो रास्ता रोक रहा था भेड़िया अक्सर रात में शिकार करता है और बहुत चालाकी से छुप जाता है और जैसे ही रात होती है छोटे बच्चे पर ज्यादा हमला करता है और पहले गर्दन पर वार करता है लेकिन डरपोक भी होता है यदि उसपर तेजी से डंडा चलाना पड़े तो भाग जाता है इसलिए हमें गुरूगोविन्द सिंह के चरणों मेंजब भी ध्यान करता हूँ तो वार करना भी सिखाते है उप्र में सिर्फ बहराइच में नहीं कुछ और गॉव में भी हो सकता है एक बार बार ठिकाना बदलता है और भेड़ियों का चालाक और खुंखार स्वभाव उसे जंगल का बड़ा और खतरनाक शिकारी बनाता है. भेड़िया अपनी गहरी आंखों, मजबूत जबड़ों और मजबूत मांसपेशियों के साथ एक खतरनाक शिकारी साबित होता है. भेड़िये शिकार करने, अपने बच्चों को पालने और अपने क्षेत्र की रक्षा करने के लिए मिलकर काम करते हैं। भेड़िये की सूंघने की क्षमता इंसान से 100 गुना ज्यादा तेज होती है। जब भेड़ियों का एक झुंड हाउल करता है, तो इसे दस मील दूर से सुना जा सकता है। हाउल को दूसरे झुंड को वापस बुलाने या खतरे की चेतावनी देने के लिए भी प्रयोग करते हैं।

भेड़िया कुत्ते के समान दिखने वाला जंगली जानवर है। एक भेड़िये का आकार कुत्ते से बड़ा होता है। भेड़िया एक मांसाहारी जानवर है। वर्तमान में, जंगली भेड़िये की प्रजातियां जैसे ग्रे वुल्फ (कैनिस ल्यूपस), और लाल भेड़िया (कैनिस रूफस) उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका में पाए जाते हैं। किसी जमाने में भेड़िये पूरे यूरेशिया, उत्तर अफ्रीका और उत्तर अमेरिका में पाए जाते थे लेकिन मनुष्यों की आबादी में बढ़ौतरी के साथ अब इनका क्षेत्र पहले से बहुत कम हो गया है। जब भेड़ियों और कुत्तों पर अनुवांशिकी अध्ययन किया गया तो पाया गया के कुत्तों की नस्ल भेड़ियों से ही निकली हुई हैं, यानि दसियों हजार वर्ष पहले प्राचीन मनुष्यों ने कुछ भेड़ियों को पालतू बना लिया था जिनसे कुत्तों के वंश की शुरूआत हुई। वर्त्तमान में इनकी 38 उपप्रजातिया ज्ञात है। ग्रे वुल्फ भेड़िया की सबसे प्रमुख प्रजाति है, लेकिन ग्रे भेड़ियों में 40 से अधिक उप-जातियां शामिल हैं।

बहराइच जिले में आदमखोर भेड़ियों का पहला हमला इसी साल 26 मार्च 24 की शुरूआत में हुआ था। हालांकि, जुलाई के बाद हमलों की संख्या बढ़ गई है। ये भेड़िये अक्सर घरों में सो रहे बच्चों को निशाना बनाते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए वन विभाग की 16टीम द्वारा ऑपरेशन भेड़िया चलाया जा रहा है।कुछ भेड़िया पकड़े और मारे जा चुके हैं लेकिन भेड़िया बार बार लोगों को पुनः अपना शिकार कर बहराइच में चकमा दे रहा है सतर्क और सर्च करने की जरुरत।

पृष्ठ 1 का शेष

हरियाणा में कांग्रेस को एकतरफा बढ़त

टीम डेटा की गड़बड़ियों को ठीक कर रही है। स्थानीय लोग अपनी संपत्ति की आईडी को ठीक करवाने या बनवाने में आने वाली जटिलताओं की भी शिकायत करते हैं, जिसके कारण वे जमीन और संपत्ति को बेचने या खरीदने में असमर्थ हैं।

दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पीपीपी और संपत्ति आईडी दोनों योजनाओं को रद्द करने का वादा किया है। इस बीच, पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग भी तेज होती जा रही है।

बेरोजगारी को लेकर भी असंतोष बढ़ रहा है। अग्निपथ योजना ने विशेष रूप से दक्षिणी हरियाणा में करियर की संभावनाओं को प्रभावित किया है, जहां युवा पारंपरिक रूप से सशस्त्र बलों में नौकरी का विकल्प चुनते थे। अब यहां बड़े पैमाने पर अवैध रूप से विदेश जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। नौकरी के अवसरों की कमी और घटते भूमि जोत के कारण युवा पश्चिमी देशों में जाने के लिए खतरनाक रास्तों का रुख कर रहे हैं। स्थिति को बदतर बनाते हुए, नशीली दवाओं का दुरुपयोग अब पंजाब की सीमा से लगे जिलों तक ही सीमित नहीं है।

सिंथेटिक ड्रग्स दिल्ली के रास्ते राज्य में फैल रहे हैं। प्रशासन को नशे की लत से संवेदनशील तरीके से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है। आईएनएलडी नेता नफे सिंह राठी जैसी हस्तियों की हत्याओं और रंगदारी वसूली के रैकेट में शामिल गिरोहों और गैंगस्टरों का बढ़ता प्रकोप भी राज्य सरकार के खिलाफ माहौल बना रहा है।

हरियाणा सरकार जिन मुद्दों का सामना विधानसभा चुनाव से पहले कर रही है, वे वही हैं जिनका सामना उसने लोकसभा चुनाव से पहले किया था। तो क्या कांग्रेस इस बार इसका फायदा उठा पाएगी? कांग्रेस भी एक विभाजित घर है। भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने के लिए उसे आपस में लड़ रहे गुटों को एकजुट करना होगा। साथ ही, लोकसभा चुनाव के उलट, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके वोट आम आदमी पार्टी के पक्ष में न बंटें।

दोनों क्षेत्रीय दल, आईएनएलडी और जेजेपी जो जाट नेता और चौटाला परिवार के मुखिया देवी लाल को वोट मैग्नेट के तौर पर इस्तेमाल करते हैं, धुंधले पड़ते दिख रहे हैं। दोनों दलों को लोकसभा चुनाव में बहुत कम वोट शेयर मिला और उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव में भी यही प्रदर्शन दोहराया जाएगा।

मुख्य क्षेत्रीय दल के रूप में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही इनेलो ने अपना वोट शेयर बरकरार रखने के लिए बसपा के साथ गठबंधन किया है।

हरियाणा में क्या बीजेपी एक बार फिर जीत हासिल कर पाएगी या कांग्रेस पार्टी 10 साल के बाद सत्ता पर फिर से काबिज होगी? विधानसभा चुनावों का ऐलान किए जाने के बाद हरियाणा को लेकर सर्वे किया है। इस सर्वे से पता चला है कि 90 विधानसभा सीटों वाले प्रदेश में बीजेपी के साथ बड़ा खेला हो सकता है। इस प्री-पोल में किसे कितनी सीटें मिलने वाली है इसका अनुमान प्रस्तुत किया है। इस ओपिनियन पोल का साइज 67,500 है। यानि इसमें हरियाणा के 67,500 लोगों की राय ली गई है।

सर्वे के मुताबिक, हरियाणा में इस बार कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बन कर वापसी करेगी। कांग्रेस को इस चुनाव में 58-65 सीटें मिलने का अनुमान है। इस चुनाव में कांग्रेस का वोट शेयर 46-48% हो सकता है। वहीं बीजेपी की बात करें तो सर्वे के अनुसार उसे 20-29 सीटें हासिल हो सकती हैं और उसका वोट शेयर 35-37% वोट शेयर रह सकता है। इस सर्वे के अनुसार तीन से पांच सीटें अन्य के खाते में भी जा सकती है।

बीजेपी और कांग्रेस की बीच फाइटइस सर्वे की मानें तो हरियाणा में कांग्रेस और बीजेपी में फाइट रहेगी। जेजेपी और आईएनएलडी जैसे क्षेत्रीय दलों का असर न के बराबर रहेगा। लोक पोल ने 26 जुलाई से 24 अगस्त, 2024 के बीच यह सर्वे किया है, जिसका सैंपल साइज 67,500 था। पोर्टेबल डिवाइस पर लोगों से फेस टू फेस इंटरव्यू किए गए थे। इस सर्वे की मानें तो जाट, जाट सिख और जाटव बड़े स्तर पर कांग्रेस के समर्थन में जाएंगे। एंटी इन्कंबेंसी फैक्टर का असर भी बीजेपी पर पड़ा है।

सेबी प्रमुख माधवी पर लगे गंभीर आरोप

सेबी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई, जिसमें कर्मचारियों को बाहरी तत्वों द्वारा गुमराह बताया गया, जिसे लेकर कर्मचारियों ने कर्मचारियों ने मुंबई में प्रदर्शन किया और माधवी पुरी बुच से इस्तीफे की मांग की है। इन सभी आरोपों के बाद सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच चौतरफा घिरती हुई नजर आ रही हैं। हिंडनबर्ग का आरोप था कि अडानी ग्रुप के विदेशी फंड में सेबी चीफ माधवी पुरी बुच और उनके पति की हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में अडानी ग्रुप और सेबी के बीच मिलीभगत का भी आरोप लगाया था। हालांकि, सेबी चीफ माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने आरोपों को खारिज कर चुके हैं। बुच दंपति का कहना है कि कुछ भी नहीं छिपाया गया। आरोपों में कोई सच्चाई नहीं। वहीं, अडानी ग्रुप ने आरोपों को आधारहीन बताया और इसे मुनाफा कमाने और बदनाम करने की साजिश करार दिया था।

कश्मीर में सरकार बनी तो राज्य का दर्जा मिलेगा

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार केवल अडाणी और अंबानी को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर में देश के बाकी हिस्सों से ज्यादा बेरोजगारी है। कभी मोदीजी समुद्र के नीचे चले जाते हैं, कभी किसी राजनेता को गले लगाते हैं लेकिन वह कभी बेरोजगारी के बारे में बात नहीं करते। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार सत्ता में आने वाली है। उन्होंने कहा कि अब नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की जनता से डरते हैं और अब थोड़ा सा वक्त बचा है, हम नरेंद्र मोदी और बीजेपी को सरकार से हटा देंगे। हम चाहते हैं कि देश में भाईचारा हो, सबकी इज्जत हो, एक-दूसरे के साथ अच्छे से बात हो। एक दूसरे के धर्म का सम्मान हो। देश में नफरत नहीं मोहब्बत का मौहाल हो। राहुल ने कहा कि घाटी इतनी खूबसूरत जगह है, मुझे चुनाव के बाद यहां आना ही पड़ेगा। आपने यहां मेरे लिए 45 मिनट का कार्यक्रम बनाया यहां कम से कम 2 से 3 दिन का कार्यक्रम तो बनना चाहिए, मुझे ऐसी जगह, इतने प्यारे लोग देखने को नहीं मिलते, कम से कम मुझे 2 से 3 दिन यहां घुमाइए। उन्होंने आगे कहा कि कुछ ही समय में देख लेना, कश्मीर में हमारी सरकार बनेगी और आपके लिए पूरे दिल से काम किया जाएगा।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने गठबंधन किया है. राज्य की 90 सीटों में से 32 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी और 51 सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने उम्मीदवार उतारेगी। इनके अलावा पांच सीटों पर फ्रेंडली फाइट होगी, जिनमें बनिहाल, डोडा, भद्रवाह, नगरोटा और सोपोर विधानसभा शामिल है.

बता दें जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। धारा 370 खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इसके बाद पहली बार चुनाव होने वाले हैं। चुनाव तीन चरणों में होंगे। 18 सिंतबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदाता वोट डालेंगे। वहीं, 8 अक्टूबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

एमसीडी वार्ड कमेटी चुनाव: भाजपा ने मारी बाजी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली एमसीडी वार्ड समिति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी विजयी हुई है। पार्टी ने 12 में से 7 जोन जीते। इस बीच, आम आदमी पार्टी ने 5 वार्ड समितियों में जीत हासिल की। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) वार्ड समिति के चुनाव एजेंसी मुख्यालय में भारी सुरक्षा तैनाती के साथ शुरू हुए। लंबे समय से लंबित ये चुनाव 2022 में एमसीडी के एकीकरण के बाद पहली बार हो रहे थे।

सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच राजनीतिक गतिरोध के कारण चुनाव में देरी हुई है और यह अब तक अदालत में विचाराधीन है।

भाजपा ने जोनल स्तर की वार्ड समितियों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 12 में से सात क्षेत्रों में स्थायी समिति के लिए एक-एक सदस्य का पद हासिल किया, जिससे आप बेहद कड़े मुकाबले में पांच क्षेत्रों तक ही सीमित रह गई। बीजेपी ने नरेला, सिविल लाइंस, केशव पुरम, शाहदरा नॉर्थ, नजफगढ़, शाहदरा साउथ और सेंट्रल जोन जीते, जबकि AAP ने करोल बाग, वेस्ट, साउथ, सिटी एसपी और रोहिणी जोन जीते।

हाल ही में आप से भाजपा में आए पार्षद पवन सहरावत और सुगंधा ने क्रमशः नरेला और सेंट्रल जोन से वार्ड समितियों के अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। सिविल लाइंस क्षेत्र में आप और भाजपा के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई और भगवा पार्टी ने सभी तीन पदों पर एक-एक वोट के अंतर से जीत हासिल की। अनिल कुमार त्यागी ने अजीत सिंह यादव को 10 वोटों से हराया, जबकि रेखा ने अपने प्रतिद्वंद्वी गगन चौधरी को इसी तरह हराया। उत्तरी दिल्ली के पूर्व मेयर और एमसीडी में विपक्ष के भाजपा नेता राजा इकबाल सिंह ने आप की प्रोमिला गुप्ता को नौ वोटों के मुकाबले 10 वोटों से हराया।

करोल बाग जोन में, AAP पार्षद राकेश जोशी को वार्ड समिति के अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया, जबकि ज्योति गौतम और अंकुश नारंग को किसी भी भाजपा उम्मीदवार की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष और स्थायी समिति के सदस्य का पद मिला। भाजपा के किसी भी उम्मीदवार की अनुपस्थिति में आप उम्मीदवार मोहम्मद सादिक, किरण बाला और पुनरदीप सिंह साहनी को सिटी एसपी जोन से वार्ड समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और स्थायी समिति के सदस्य के रूप में निर्विरोध चुना गया।

आप को झटका: पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम कांग्रेस में शामिल

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हरियाणा में गठबंधन की बातचीत के बीच, आम आदमी पार्टी (आप) को राष्ट्रीय राजधानी में बड़ा झटका लगा है। उसके मौजूदा विधायक और पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन पर चर्चा होने की उम्मीद है। सीमापुरी से आप विधायक राजेंद्र पाल गौतम दो बार चुने गए हैं और पहले दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उनके पास एससी-एसटी, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास सहित विभाग थे।

फोटो : राजीव गुप्ता

हालाँकि, उनके द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद विवाद खड़ा हो गया, जिसकी व्यापक प्रतिक्रिया हुई। परिणामस्वरूप, अरविंद केजरीवाल ने उन्हें मंत्री पद से हटा दिया, जिससे गौतम पार्टी से असंतुष्ट हो गए। गौतम को हटाए जाने के बाद उनकी जगह राजकुमार आनंद को मंत्री बनाया गया था, लेकिन दोनों नेता आप से अलग हो चुके हैं। सीमापुरी अरविंद केजरीवाल के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि इसी क्षेत्र में उन्होंने एक एनजीओ बनाकर अपना सामाजिक कार्य शुरू किया था और अपने दिवंगत सहयोगी संतोष कोहली के साथ बिजली से संबंधित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, यहां तक कि 15 दिनों की भूख हड़ताल भी की थी।

जब AAP ने अपना पहला दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ा, तो संतोष कोहली के भाई धर्मेंद्र कोहली को सीमापुरी से टिकट दिया गया। हालांकि, राजेंद्र पाल गौतम तब से दो बार इस सीट से जीत चुके हैं। केजरीवाल की हालिया गिरफ्तारी के बाद, तीन प्रमुख नेताओं- विधायक करतार सिंह तंवर, मंत्री राजकुमार आनंद और पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने पार्टी छोड़ दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया डॉक्टर प्रीति शर्मा को सम्मानित

॥ विवेक जैन ॥

राजकीय कन्या इण्टर कालेज बागपत की प्रधानाचार्य और विज्ञान विषय की शिक्षक डॉक्टर प्रीति शर्मा को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। राज्य शिक्षक पुरस्कार 2024 का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य के गोरखपुर जनपद में हुआ। राज्य शिक्षक पुरस्कार 2024 कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजकीय कन्या इण्टर कालेज बागपत की प्रधानाचार्य प्रीति शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए राज्य शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

प्रीति शर्मा विज्ञान विषय की जानी-मानी विद्धान है। उनको यह पुरस्कार विज्ञान विषय के अच्छे अध्यापन, विद्यालय में छात्राओं की संख्या बढ़ाने, पठन-पाठन का माहौल बनाने, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। प्रधानाचार्य डॉक्टर प्रीति शर्मा जनपद बागपत की प्रभावशाली शिक्षकों में शुमार है। इन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को विकसित किया। स्कूल के सर्वांगीण विकास में हमेशा उनका अमूल्य योगदान रहा।

डॉ प्रीति शर्मा ने जब प्रधानाचार्य का कार्यभार संभाला था, तब विद्यालय के पास अपनी छत तक नहीं थी। अधिकारियों के सहयोग से उन्होंने यहां पर कमरों का निर्माण कराया। आज कालेज का अपना भवन है। यहां स्मार्ट क्लास, लैब, सोलर पैनल, फर्नीचर सहित तमाम सुविधाएं उपलब्ध है। कालेज में कौशल विकास के अंतर्गत बेटियों को कंप्यूटर और ब्यूटिशियन जैसे रोजगार के प्रशिक्षण दिए जा रहे है, ताकि बेटियों को आगे चलकर किसी पर निर्भर न रहना पड़े और वह स्वयं आत्मनिर्भर बन सके। नेशनल अवॉर्डी और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन ने डॉक्टर प्रीति शर्मा को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है और बताया कि डॉक्टर प्रीति शर्मा महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। डॉ प्रीति शर्मा मूल रूप से मेरठ जनपद की रहने वाली हैं। वह शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

राष्ट्रपति ने बढ़ाई एलजी की ताकत

पिछले दरवाजे से दिल्ली पर कब्जा करना चाहती बीजेपी

फोटो : कमलजीत

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को राष्ट्रीय राजधानी में बोर्ड और पैनल बनाने और सदस्यों की नियुक्ति करने का अधिकार देने के बाद, आप नेता और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछले दरवाजे से दिल्ली पर नियंत्रण करना चाहती है। आप नेता ने कहा कि एलजी सक्सेना अधिक से अधिक शक्तियां हासिल कर रहे हैं लेकिन जब उनकी जिम्मेदारी और जवाबदेही की बात आती है तो वह काम नहीं कर रहे हैं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में आम आदमी पार्टी से तीन बार चुनाव हार चुकी है। भाजपा दिल्ली में सरकार नहीं बना सकती और इसलिए पिछले दरवाजे से सरकार पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार अक्सर गड़बड़ियां करती है और उनकी कोशिश रहती है कि चुनी हुई सरकारों का दम घोटा जाए और उन्हें दबाया जाए। उन्होंने कहा कि जब जिम्मेदारी और जवाबदेही की बात आती है तो एलजी साहब काम नहीं कर रहे हैं। हजारों डॉक्टरों की भर्ती करनी होगी। अस्पतालों में पद सृजित करने होंगे। हजारों गरीब बस मार्शल बेरोजगार हो गये हैं। एलजी साहब ने ये सब बंद कर दिया है। और जब शक्तियाँ प्राप्त करने की बात आती है तो वह अधिक से अधिक शक्तियाँ ले रहा है। वह उन्हें क्यों ले जा रहा है? ताकि वह शक्तियों का दुरुपयोग कर सके।

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चाहती है कि पूरी राष्ट्रीय राजधानी एलजी द्वारा चले। उन्होंने कहा कि वह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के जरिए मशहूर होने के लिए एक सोशल मीडिया कंपनी को 1.5 करोड़ रुपये सालाना पर हायर कर रहे हैं। चुनी हुई सरकार की शक्तियां छीनकर नियुक्त लोगों को शक्तियां दी जा रही हैं। उन्होंन कहा कि जहां तक केंद्र सरकार की बात है तो वे चाहते हैं कि पूरी दिल्ली को एलजी द्वारा चलाया जाए। क्योंकि बीजेपी चुनाव नहीं जीत पा रही है. इसलिए बीजेपी पिछले दरवाजे से दिल्ली पर कब्जा करना चाहती है लेकिन ऐसा नहीं होगा।

सात शिक्षाविदों 40 वें डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्मृति राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2024 से सम्मानित

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल के सचिव नीरज अग्रवाल ने दिल्ली विधानसभा में भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न स्वर्गीय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 137 वीं जयंती (राष्ट्रीय शिक्षक दिवस) के पावन अवसर पर डॉ. एस राधाकृष्णन स्मृति सम्मान समारोह समिति द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षाविदों को "40 वें डॉ.एस राधाकृष्णन स्मृति राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2024" से सम्मानित किया। सम्मान समारोह समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स ने समारोह की अध्यक्षता की। सम्मानित होने वाले शिक्षाविद् अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध कलाकार एवं कस्तूरबा गांधी संग्रहालय की क्यूरेटर ओर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की 38 सालों तक क्यूरेटर रहीं गांधीवादी विचारक सर्वश्री श्रीमती हेना चक्रबर्ती, प्रूडेंस स्कूल जेपी ब्लाक पीतमपुरा के प्रबंध निदेशक संजीव अरोड़ा, एम. आर.जी स्कूल सेक्टर -3 रोहिणी की प्राचार्या श्रीमती अंशु मित्तल, सर्वोदय बाल विद्यालय नं-2 सी ब्लाक जनकपुरी दिल्ली के लेक्चरर इंग्लिश एल .एस तंवर , सुप्रसिद्ध योग एवं थियेटर एक्सपर्ट श्रीमती मधु शर्मा, डीएवी पब्लिक स्कूल श्रेष्ठ विहार की पीईटी श्रीमती नीना शर्मा ओर एस.एल.एस डीएवी पब्लिक स्कूल मौसम विहार की लेक्चरर गणित श्रीमती बिंदु दत्त प्रमुख हैं। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल के सचिव नीरज अग्रवाल ने कहा कि स्वर्गीय डॉ.राधाकृष्णन एक महान शिक्षाविद् ओर दार्शनिक थे। उन्हीं के जन्मदिवस पर हर वर्ष 5 सितंबर को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता हैं। वह अपने विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेज आईएएस, आईपीएस, आईआरएस, डॉक्टर, इंजीनियर, कलाकार, चित्रकार, मूर्तिकार, अभिनेता , अभिनेता, गायक , संगीतकार, नेता के साथ- साथ एक अच्छा इंसान भी इसलिए बनाता है ताकि वह राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। इसलिए समाज का यह कर्तव्य है कि वह अपने शिक्षकों का सम्मान करें। सम्मान समारोह समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने कहा कि शिक्षक दीए की बाती है जो स्वयं जलकर ओरों को रोशनी देती है। शिक्षक का सम्मान राष्ट्र का सम्मान है।

इस अवसर पर शिक्षाविद् डॉ. राजकुमार यादव, डॉ. विनीत वत्स, श्रीमती ऋतु शर्मा, उमेश शर्मा, पत्रकार शशिकांत वत्स, प्रेम सिंघानिया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उमर अब्दुल्ला की मतदाताओं से भावुक अपील

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल के लोगों से उनके लिए वोट देने की भावुक अपील करते हुए कहा कि उनकी इज्जत अब उनके हाथों में है। अब्दुल्ला ने इससे पहले निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। एक तरह से नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला की इस निर्वाचन क्षेत्र में वापसी हुई है, जिसका उन्होंने 2008 से 2014 तक प्रतिनिधित्व किया था, जब वे पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री थे। उन्होंने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले की बीरवाह विधानसभा सीट से 2014 का विधानसभा चुनाव जीता था, जबकि गांदरबल सीट अपने तत्कालीन पार्टी सहयोगी इश्फाक जब्बार के लिए छोड़ दी थी।

अब्दुल्ला ने 2024 का लोकसभा चुनाव बारामुला निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था, लेकिन निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर रशीद से हार गए थे। अब्दुल्ला ने यहां नेशनल कान्फ्रेंस कार्यालय में अपने पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह 16 साल बाद फिर से गांदरबल आए हैं, इस उम्मीद के साथ कि वह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा, 16 साल बाद मैं फिर से गांदरबल के लोगों के सामने इस उम्मीद के साथ आया हूं कि आप मुझे

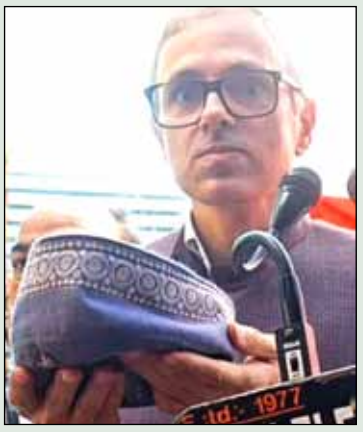

फिर से अपना विधायक और सेवक बनने का मौका देंगे।

मतदाताओं तक पहुंच बनाने के प्रयास में अब्दुल्ला ने करीब पांच मिनट का अपना भाषण कश्मीरी में दिया। उन्होंने कहा, वर्ष 2016 के बाद गांदरबल के लोगों ने बहुत कुछ सहा है, किसी ने उनके जख्मों पर मरहम नहीं लगाया, किसी ने उनकी मुश्किलों का समाधान नहीं किया। हम आने वाले दो-तीन हफ्तों में इन सभी मुद्दों पर बात करेंगे। आंखों में आंसू लिए अब्दुल्ला ने मतदाताओं से भावुक अपील की और उनका समर्थन और वोट मांगा। उन्होंने कहा कि उनकी इज्जत उनके हाथों में है। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपनी टोपी हाथ में लेकर गांदरबल के लोगों से एक बार फिर उनकी सेवा करने का मौका देने की अपील की।

उन्होंने अपनी टोपी अपने हाथों में थामते हुए कहा, मुईन दस्तर (मेरी पगड़ी), मुईन इज्जत (मेरी इज्जत), मुईन टोपी (मेरी टोपी), आपके हाथों में है, अथ करिव राएच (इसे बरबरार रखें)। उन्होंने कहा, मुझे आपकी सेवा करने का बस एक मौका दीजिए, मैं आपसे हाथ जोड़कर अपील करता हूं। इस दुर्लभ, भावुक क्षण ने उनके समर्थकों को भावुक कर दिया और उन्होंने 'उमर जिंदाबाद' के नारे लगाए। समर्थकों ने नेशनल कान्फ्रेंस नेता को आश्वासन दिया कि वे उनके लिए अपने जीवन का बलिदान कर देंगे। उन्होंने अपने पार्टी कार्यकताओं से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि अल्लाह की इच्छा से पार्टी चुनावों में सफलता का स्वाद चखेगी।

बंद होगी अयोग्य विधायकों की पेंशन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

तीखी बहस के बीच हिमाचल प्रदेश विधानसभा (भत्ते और पेंशन) संशोधन विधेयक, 2024 विधानसभा में पारित हो गया। इसका उद्देश्य दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए गए विधायकों को पेंशन लाभ से वंचित करना है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने विधानसभा में दल-बदल करने वाले विधायकों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के लिए स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "यह विधेयक लोकतंत्र की उच्च परंपराओं को कायम रखता है और हमारी व्यवस्था में भ्रष्ट आचरण को रोकने का प्रयास करता है।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "अपनी पार्टी के साथ विश्वासघात करने वाले छह सदस्यों की करतूत न केवल उनकी अपनी पार्टी के खिलाफ बल्कि लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ भी स्पष्ट रूप से विश्वासघात का मामला है।" उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने वाले छह कांग्रेस विधायकों ने पार्टी व्हिप का खुलेआम उल्लंघन किया। उन्होंने 28 फरवरी को विधानसभा में हुई अराजकता सहित अन्य घटनाओं का जिक्र किया, जब दलबदलुओं ने कार्यवाही को बाधित करने का प्रयास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, "विधानसभा के अंदर गुंडागर्दी का खुला प्रदर्शन हुआ।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकतांत्रिक मानदंडों की रक्षा के लिए ऐसी कार्रवाइयों का सख्ती से जवाब देना जरूरी है।

विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर ने विधेयक पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे विधायकों की प्रतिष्ठा पर गलत असर पड़ सकता है। "सदस्य गलतियां कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पेंशन से वंचित करना बहुत कठोर है।"

ठाकुर ने कहा, "किसी अन्य पार्टी में शामिल होने का फैसला बहुत बाद में लिया गया था, और अयोग्यता का उनके अधिकारों पर पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।"

बता दें कि यह विधेयक मुख्य रूप से दो पूर्व कांग्रेस विधायकों, देविंदर भुट्टो और चैतन्य शर्मा को प्रभावित करेगा, जिन्होंने 2022 के विधानसभा चुनावों में पहली बार जीत हासिल की थी, लेकिन पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने और बजट पारित होने के दौरान अनुपस्थित रहने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था।

मुख्यमंत्री द्वारा मंगलवार को सदन में पेश किए गए विधेयक के लिए कथन एवं उद्देश्यों के अनुसार, भारत के संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत विधायकों द्वारा दल-बदल को हतोत्साहित करने के लिए हिमाचल प्रदेश विधान (भत्ते और पेंशन) अधिनियम, 1971 में कोई प्रावधान नहीं है।

विधेयक में कहा गया है, "राज्य के लोगों द्वारा दिए गए जनादेश की रक्षा करने, लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित करने और इस संवैधानिक पाप को रोकने के लिए हिमाचल प्रदेश विधानसभा (भत्ते और पेंशन) अधिनियम, 1971 में यह संशोधन लाना आवश्यक है।"

गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः

शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर "शिक्षक भावी भविष्य के शिल्पकार" नाम से एक कार्यक्रम ब्रह्माकुमारी आश्रम, स्वास्थ्य विहार में आयोजित किया गया। जिसमें शिक्षकों और निस्वार्थ भाव से काम करने वाले कुछ समाजसेवी लोगों को भी सम्मानित किया गया। "साथी एक विश्वास वेलफेयर सोसाइटी" की अध्यक्ष रेनू रस्तोगी ने भी मोमेंटो देकर बी.के उर्मिला को सम्मानित किया और उन्हें लोगों को मार्गदर्शित और प्रेरित करने के लिए धन्यवाद कर आशीर्वाद प्राप्त किया! ब्रह्माकुमारी उर्मिला व अनिल ने भी पटका पहनकर रेनू रस्तोगी व अन्य शिक्षक को समाज में लोगों को जागरूक करने, शिक्षित करने और मानव सेवा करने के लिए टीचर्स डे के मौके पर सम्मानित किया। उन्होंने समाज में फैल रही कुरीतियों व बुराइयों को लेकर जागरूक करने वाले विभिन्न तरह के कार्यक्रम मिलकर आयोजित करने के लिए सलाह दी।

दिल्ली विधान सभा चुनाव: भाजपा को बनवास-कांग्रेस को सूखा खत्म होने की आस:आप सत्ता बचाने में जुटी

॥ अनिल वर्मा ॥

दिल्ली विधानसभा के चुनाव अगले साल के शुरू मे होने है लेकिन सत्तारूढ आप मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने अभी से चुनावी जंग के मैदान मे पूरे दमखम से ताल ठोकनी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित आप पार्टी के नेता जेल में हैं। आप पार्टी की सोच है की आगामी चुनावों में उसे इस स्थिति का सीधा फायदा मिल सकता है, तो विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी को लगता है केजरीवाल सहित पार्टी के सभी नेताओं को भ्रष्ट बताने और उनके जेल मे होने से उसे लाभ मिलना तय है। इस सबके बीच कांग्रेस अपने खोए हुए आधार को फिर से पाने का जोरदार प्रयास कर रही है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव अगले साल की शुरूआत में होने हैं,लेकिन तीनों दल अपनी अपनी तैयारियों में जुट चुके हैं। आप पार्टी गत दस वर्षों से सत्ता में है तो इससे पहले कांग्रेस दिल्ली पर 15 साल तक राज करती रही । भाजपा को उम्मीद है की अब 27 साल बाद जनता उनका वनवास खत्म कर उसे गद्दी पर बैठा देगी।

15 साल तक दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस जो पिछले दो बार से विधानसभा में अपना खाता तक नहीं खोल पाई, उसे उम्मीद है कि इस बार उसका सूखा खत्म हो जायेगा।

आप पार्टी कांग्रेस के ही मूल आधार झुग्गी- झोपड़ी और गरीब वोटर में जबरदस्त सेंध लगाने में कामयाब रहने के कारण ही सत्ता मे आने मे कामयाब रही है। उसे उस मध्यम वर्ग का भी साथ मिला जो की भाजपा का वोट बैंक माना जाता था। आप नई पार्टी है लेकिन जिस तरह से उसने देशभर में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बड़े स्तर पर अपने उम्मीदवार उतारे उससे उसे उतने प्रतिशत मत मिल गए

की उसे राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल हो गया। अबे इसे बचाए रखने के लिए वह हर राज्य के चुनाव मैदान में कूद रही है,चाहे उसका आधार हो या न हो,जैसे की अब वह जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव लड़ाने जा रही है इंडिया ब्लॉक मे रह कर लोकसभा चुनाव लड़ने और उसका साथी होने के बावजूद वह हरियाणा ,दिल्ली, झारखंड और जम्मू कश्मीर में चुनाव लड़ने पर आमादा है, फिर चाहे इससे भाजपा को लाभ मिले।

आप पार्टी में नंबर दो के नेता दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अब जेल से बाहर आ चुके हैं और प्रचार कमान वही संभाल रहे हैं। पार्टी को उम्मीद है की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी जल्दी ही जेल से जमानत मिल जायेगी और वह भाजपा को कड़ी टक्कर देने में कामयाब रहेगी। इसके लिए अब पार्टी "आपके केजरीवाल फिर आयेगे "अभियान चला कर चुनावी प्रचार में कूद चुकी है।

भाजपा ने पिछले चार वर्षों में जिस प्रकार बहुत दमखम के साथ आप पार्टी और उसके नेताओं को भ्रष्टाचारी बताने का अभियान छेड़ा हुआ है उसे उससे बडा लाभ मिलने की उम्मीद लगा रखी है। आप आदमी पार्टी मतदाताओं में यह नैरेटिव बना रही है की उसने दिल्ली की जनता के हित में बहुत काम किया है इसलिए केजरीवाल और आप नेताओं को भ्रष्टाचार के झूठे आरोप में जेल भेजा गया और रखा हुआ है।

दिल्ली जहां कभी जनसंघ और भाजपा की तूती बोलती थी वहां 27 वर्षों के वनवास को तोड़ने की उसकी कोई भी चाल सफल नहीं हो पा रही है। भाजपा लोकसभा में चाहे गत दो बार से सभी सातों सीटें पाने में कामयाब हो रही है ,लेकिन विधानसभा में वह सात सीटों पर ही रुक जा रही है इससे साफ है की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा विधानसभा में नही चल पा रहा। भापजा अपनी सारी शक्ति आप पार्टी को भ्रष्ट बताने में खर्च कर रही है,जिसके चलते ही वह इस बार दिल्ली नगर निगम में भी हार गई जिस पर उसका गत 15 वर्षों से कब्जा था।

भाजपा के कई बड़े नेता मानते हैं की चुनौती बड़ी है और इसे पर पाने के लिए वह मध्यम वर्ग को यह समझाने में जुटे है की "आप " भ्रष्ट है। उन्हे उम्मीद है कि और वह इस वर्ग का झुकाव एक बार फिर अपनी तरफ मोड़ने ने कामयाब हो जायेगे। इसके लिए भाजपा केजरीवाल की सरकार के खिलाफ अपनी बेहद अक्रामक रणनीति जारी रखेगी। कांग्रेस जो दो बार से विधानसभा में अपना खाता तक नहीं खोल पाई इस बार अपने प्रदर्शन मे बड़े स्तर पर सुधार के प्रयास में है। पार्टी के नेताओं का मानना है की इस बार लोकसभा चुनावो में उसे लगभग 15 सीटों पर बढ़त मिली है और वह इन सीटों को जीतने पर जोर देगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार कोशिश है कि वह इतनी सीटें पा ले कि उसके सहयोग के बिना सरकार न बन पाए। पार्टी कम से कम 30 सीटों पर पूरे मनोयोग से लड़ाई लड़ने की जोरदार तैयारी में है।

राहुल गांधी ने वायनाड पुर्नवास के लिए दिया एक महीने का वेतन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास प्रयासों का समर्थन करने के लिए केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी को अपना एक महीने का वेतन 2.3 लाख रुपये दान किया है। केपीसीसी महासचिव एम लिजू के अनुसार, यह दान कांग्रेस की राज्य इकाई द्वारा धन जुटाने के अभियान का हिस्सा है, जिसमें वायनाड के लोगों के लिए 100 घर उपलब्ध कराने की गांधी की प्रतिबद्धता का पालन किया गया था, जिन्होंने विनाशकारी भूस्खलन में अपने प्रियजनों, घरों और आजीविका को खो दिया था। राहुल ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि वायनाड में हमारे भाइयों और बहनों को एक विनाशकारी त्रासदी का सामना करना पड़ा है, और उन्हें उस अकल्पनीय नुकसान से उबरने

के लिए हमारे समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने लिखा कि मैंने प्रभावित लोगों के राहत और पुनर्वास प्रयासों में सहायता के लिए अपने पूरे महीने का वेतन दान कर दिया है। मैं ईमानदारी से सभी साथी भारतीयों से आग्रह करता हूं कि वे जितना संभव हो उतना योगदान करें, हर छोटे से छोटे से बदलाव से फर्क पड़ता है। वायनाड देश का एक खूबसूरत हिस्सा है और हम मिलकर यहां के उन लोगों के जीवन को फिर से बनाने में मदद कर सकते हैं जिन्होंने बहुत कुछ खो दिया है।

लिजू ने एक बयान में कहा, धन उगाहने के हिस्से के रूप में, एक मोबाइल ऐप - 'स्टैंड विद वेएंड - आईएनसी' बनाया गया है। इसमें यह भी कहा गया कि कांग्रेस सांसद के सुधाकरन व्यक्तिगत रूप से वायनाड पुनर्वास कार्य की प्रगति का आकलन कर रहे थे। टी ने आगे कहा कि पार्टी इकाइयों, सहायक कंपनियों, सांसदों और विधायकों को उनके द्वारा दान की जाने वाली राशि के बारे में सूचित कर दिया गया है। केपीसीसी ने धन जुटाने के अभियान और पुनर्निर्माण गतिविधियों का नेतृत्व करने के लिए नौ सदस्यीय समिति का गठन किया है। केपीसीसी ने वायनाड जिले में अपनी मंडलम समितियों को धन उगाही गतिविधियों से छूट दे दी है।

महाराष्ट्र में सीएम का ऐलान चुनाव के बाद

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि जब महा विकास अघाड़ी की बैठक होगी तो सीटों का बंटवारा हो जाएगा। बैठक में सब कुछ तय हो जाएगा। हम 288 सीटों की समीक्षा कर रहे हैं ताकि महाराष्ट्र में भ्रष्ट और 'कमीशन खोर' सरकार और जो हर दिन स्थिति को नुकसान पहुंचा रही है उसे सत्ता से बाहर करना कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य है। निर्णय योग्यता के आधार पर लिए जाएंगे। हमने उस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि निर्णय हो चुका है, हम महा विकास अघाड़ी के

रूप में चुनाव में जाएंगे। चुनाव के बाद हम सब साथ बैठेंगे और सीएम का चेहरा तय करेंगे। एमवीए में सीएम फेस को लेकर भी आज रिएक्शन आया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद चंद्र पवार ने इस पद के चेहरे को अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कोल्हापुर में कहा कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पहले यह देखना होगा कि किस पार्टी के कितने उम्मीदवार चुनकर आएंगे, उसके बाद संख्या बल के अनुसार फैसला होगा। शरद पवार ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री पद का फैसला संख्या बल के आधार पर होगा। 1977 में सभी एक साथ आये। इसके बाद मुरारजी का नाम सामने आया। शरद पवार ने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य स्थिर सरकार देना है। शरद पवार ने एक उदाहरण भी दिया है, 1977 में बानी के बाद चुनाव हुआ था। उस चुनाव को किसी ने आगे नहीं बढ़ाया था। जयप्रकाश नारायण ने कहा विरोध में सभी को एक साथ आना चाहिए। सभी एक साथ आए, फिर चुनाव के बाद मोरारजी देसाई के नाम की घोषणा की, चुनाव में वोट मांगते वक्त कहीं भी मोरारजी देसाई के नाम की घोषणा नहीं की गयी।

मिथिबाई क्षितिज ने कार्निवल का आयोजन किया

मिथिबाई क्षितिज, मिथिबाई कॉलेज का अंतर्राष्ट्रीय अंतर-कॉलेज सांस्कृतिक महोत्सव, ने कैम्पस को जीवंत कर दिया एक रोमांचक कार्निवल के साथ, जो संगीत, मनोरंजन और प्रेरणादायक वाताओं का अनूठा मिश्रण पेश करता है, जिसमें उद्योग के कुछ सबसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

अभिनेत्री सुरभि चंदना और अभिनेता कुणाल जैनसिंह ने अपने नए सिंगल 'ज़िक्र तेरा' को प्रमोट किया, इसके निर्माण के बारे में विशेष जानकारी साझा की। इस जोड़ी ने इवेंट में ग्लैमर और उत्साह का तड़का लगाया, चंदना ने व्यक्त किया, "उत्साही युवाओं के साथ जुड़ना अद्भुत था। मैं 'ज़िक्र तेरा' को उनके साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं।"

प्रसिद्ध बॉय बैंड ने इवेंट को एक शानदार प्रदर्शन के साथ समाप्त किया, जिससे शाम को अविस्मरणीय बना दिया। शेरिन वर्गीज, करण ओबेरॉय, सुधांशु पांडे, सिद्धार्थ हालदीपुर, और चैतन्य भोसले जैसे गतिशील सदस्यों के साथ, उनका बिजली भरा सेट दर्शकों को उत्साहित कर गया और लाइव एंटरटेनमेंट के नए मानक स्थापित किए।

टेलीविजन स्टार रिधिमा पंडित ने भी एक यादगार उपस्थिति दर्ज की, अपने व्यक्तिगत सफर को साझा किया और "नेवर हैव आई एवर" जैसे मजेदार खेल खेले। उनकी ऊर्जा से भरी डांस सेशन ने भी भीड़ को और अधिक आकर्षित किया, जो महोत्सव के जीवंत माहौल को बढ़ाने

में मददगार साबित हुई। अभिनेता शालिन भानोट ने भी अपने उच्च ऊर्जा के साथ इवेंट को और बढ़ाया, भीड़ के साथ डांस करते हुए और महोत्सव के जीवंत माहौल को और ऊंचा किया। उनकी गतिशील उपस्थिति और आकर्षक प्रदर्शन ने कार्निवल को और भी रोमांचक बना दिया।

मिथिबाई कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर कृतिका देसाई ने इवेंट पर गर्व व्यक्त किया: "मिथिबाई क्षितिज एक गतिशील मंच है छात्र रचनात्मकता के लिए। हम इस प्रतिभाशाली लाइनअप को लेकर उत्साहित हैं और आश्वस्त हैं कि कार्निवल सभी उपस्थित लोगों को प्रेरित और मनोरंजन प्रदान करेगा।"

स्टार प्रदर्शन के साथ-साथ, कार्निवल में स्टॉल, इंटरैक्टिव गेम्स, और फूड स्टेशन्स शामिल थे, जो एक संपूर्ण मनोरंजन अनुभव प्रदान करते हैं। इवेंट ने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया, जो मिथिबाई क्षितिज के संगीत, संस्कृति, और मजे के मिश्रण का आनंद लेने के लिए उत्सुक थे। हम क्षितिज के कार्निवल में रचनात्मकता, प्रेरणा, और अविस्मरणीय अनुभवों का एक दिन होस्ट करने के लिए उत्साहित थे।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से देश का होगा विकास : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं के हक के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से देश की प्रगति और विकास होगा। उन्होंने महिलाओं से केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी कहा। वहीं, राष्ट्रपति ने महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगीर में विश्वशांति बुद्ध विहार का उद्घाटन किया। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की मुख्यमंत्री माझी लडकी बहिन योजना और शाशान आपल्या दारी कार्यक्रमों के लाभार्थियों को मुर्मू ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण से महिलाओं का व्यक्तिगत विकास होगा, जो देश की आबादी का आधा हिस्सा हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 25 लाख महिलाओं को लखपति दीदी (प्रति वर्ष एक लाख रुपये से अधिक कमाने वाली महिलाएं) बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि वह यह जानकार खुश हैं कि 13 लाख महिलाओं को पहले ही लखपति दीदी बनाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने लखपति दीदी के लक्ष्य को एक करोड़ से संशोधित कर तीन करोड़ कर दिया है। मुर्मू ने महिलाओं से अपने परिवारों की देखभाल करते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा, अगर आप समृद्ध और स्वस्थ रहेंगे तो देश का विकास होगा और प्रगति होगी।

देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही

उन्होंने कहा, पुरुषों को महिलाओं की क्षमता को समझना चाहिए और उन्हें अपने सपनों तथा आकांक्षाओं को प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए। देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

उत्तर प्रदेश में बुलडोजर पर सियासी वार

योगी-अखिलेश के बीच आर-पार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

बुलडोजर को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीति तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक-दूसरे पर निशाना साधने का मौका नहीं छोड़ रहे हैं। बुलडोजर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कड़ा प्रहार किया और पूछा कि क्या राज्य सरकार अब बुलडोजर से मकान ढहाने के लिए माफी मांगेगी।

उन्होंने कहा कि अगर योगी आदित्यनाथ और उनके बुलडोजर इतने ही सफल हैं तो उन्हें अलग पार्टी बनानी चाहिए और 'बुलडोजर' चुनाव चिन्ह के साथ चुनाव लड़ना चाहिए।

अखिलेश यादव ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि अगर आप और आपका बुलडोजर इतना ही सफल है तो अलग पार्टी बनाकर 'बुलडोजर' चुनाव चिन्ह लेकर चुनाव लड़ जाइए।

आपका भ्रम भी टूट जाएगा और घमंड भी। वैसे भी आपके जो हालात हैं, उसमें आप भाजपा में होते हुए भी 'नहीं' के बराबर ही हैं, अलग पार्टी तो आपको आज नहीं तो कल बनानी ही पड़ेगी। इससे पहले योगी पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा था कि बुलडोजर में दिमाग नहीं होता है, स्टेरिंग होता है उसमें। उत्तर प्रदेश की जनता या दिल्ली वाले कब किसका स्टेरिंग बदल दें। सपा प्रमुख ने कहा, जिनके लिए बुलडोजर बल और नाइंसाफी का प्रतीक है, मैं उन्हीं को बुलडोजर की मुबारकबाद देना चाहता हूं।

यादव ने लखनऊ में पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक में कहा था कि साल 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सफाया होगा और राज्य में समाजवादी सरकार बनते ही पूरे प्रदेश के बुलडोजरों का रूख गोरखपुर (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि) की तरफ होगा। इसी पर योगी ने पलटवार किया था। योगी ने कहा था कि माफियाओं और दंगाइयों के सामने 'नाक रगड़न' वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ये जो बड़ी बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जो कभी माफियाओं और दंगाइयों के आगे नाक रगड़ा करते थे। अरे बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए।

ये दंगाइयों और माफियाओं के सामने नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, जाति के नाम पर लड़ाने वाले ये वही लोग हैं जो टीपू और सुल्तान बनने का ख्वाब फिर से देख रहे हैं। ये वही टीपू थे जिन्होंने माफिया के सामने नाक रगड़कर उत्तर प्रदेश की पहचान का संकट खड़ा किया।

मणिपुर के लोगों की रक्षा करने में बुरी तरह विफल रहे पीएम

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश दौरे पर हैं वहीं, कांग्रेस मणिपुर के बहाने उनपर लगातार निशाना साध रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर मणिपुर के लोगों की रक्षा करने में "बुरी तरह विफल" होने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में अशांति भारत के लोगों के साथ उनके "विश्वासघात" की लंबी सूची में एक और कड़ी है। खड़गे ने लंबे एक्स पोस्ट में लिखा कि मणिपुर को हिंसा की चपेट में आए 16 महीने हो गए हैं, लेकिन आपकी 'डबल इंजन' सरकार ने इसे कम करने के लिए कुछ नहीं किया है। ऐसा कोई उपाय नहीं किया गया है जो सभी समुदायों के लोगों में शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए विश्वास पैदा करे।

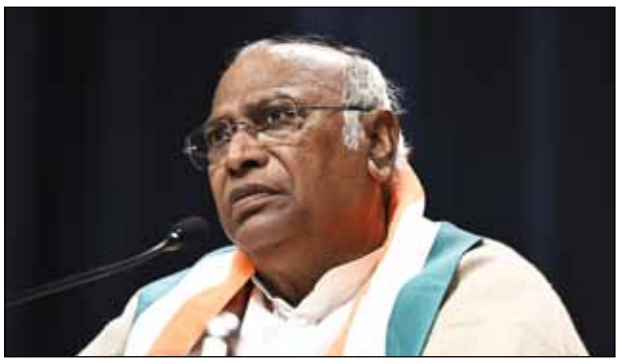

खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इसे उजागर क्यों किया और आपके द्वारा उन्हें बर्खास्त क्यों नहीं किया गया? क्या वह वास्तव में राज्य मशीनरी को पंगु बनाने और अप्रिय बयान देने के लिए दोषी नहीं है, जो अब सार्वजनिक डोमेन में दर्ज किया गया है? उस गोली से बेशर्मी से बचने के लिए इस्तीफे का नाटक रचा गया। उन्होंने आगे पूछा कि मोदी जी, आप इतने बेशर्म क्यों हो गए हैं? आपने राज्य में कदम रखने की जहमत क्यों नहीं उठाई? आपके अहंकार के कारण ही सभी समुदाय के लोगों को परेशानी हो रही है। आपकी सरकार की अक्षमता और बेशर्मी एक मौलिक शांति प्रक्रिया भी शुरू नहीं कर पाई है!

इसके साथ ही कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि हाल ही में इम्फाल पश्चिम जिले में ड्रोन हमलों के माध्यम से बमबारी हुई है और ऐसा लगता है कि केंद्रीय गृह मंत्री गाड़ी चलाते समय सो रहे हैं। यहां तक कि आपके अपने बीजेपी नेताओं और उनके घरों पर भी हमले हो रहे हैं. क्या राज्यपाल को इसलिए हटा दिया गया क्योंकि उन्होंने राहत शिविरों की दयनीय स्थिति के खिलाफ आवाज उठाई थी? उन्होंने कहा कि कम से कम 235 लोग मारे गए हैं। अनगिनत घायल। 67,000 लोग विस्थापित हो गए हैं और महिलाओं और बच्चों सहित हजारों लोग अभी भी राहत शिविरों में दयनीय स्थिति में हैं।

उन्होंने कहा कि आंतरिक उथल-पुथल के अलावा अब मणिपुर की सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा भी मंडराने लगा है। प्रधानमंत्री मोदी जी, आप मणिपुर के लोगों की रक्षा करने में बुरी तरह विफल रहे हैं। मणिपुर की अशांति भारत के लोगों के साथ आपके विश्वासघातों की लंबी सूची में एक और बड़ा इजाफा है। आपको बता दें कि पिछले साल मई से मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

एनसीसी के 550 विद्यार्थियों को पर्यावरण स्वच्छ भारत भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान

एनसीसी 25 बटालियन छतरपुर द्वारा 550 कैडेट्स को 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आर्मी कॉलेज नौगांव कैंपस में किया जा रहा है जिसमें कर्नल नितिन थापा एवं कर्नल योगेश गांधी सूबेदार मेजर बलविंदर सिंह के माध्यम से सभी नेशनल कैडेट कोर के प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों को भारत सरकार की रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई गाइडलाइन के अनुसार राष्ट्रीय एकता अखंडता सामाजिक समरसता पर्यावरण संरक्षण स्वच्छ भारत अभियान सड़क दुर्घटना रोकने प्रशिक्षण लेने वाले सभी कैडेट्स को प्रशिक्षण और व्याख्यान माला के द्वारा आत्मविश्वास के साथ मजबूत किया जा रहा है ।

व्याख्यान माला में बुंदेलखंड के समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी ने आर्मी कॉलेज परिसर में सभा कक्ष में संबोधित करते हुए दिए उन्होंने अपने व्याख्यान में नैतिक शिक्षा भारतीय संस्कृति संस्कारों पर्यावरण संरक्षण जीवन जीने की कला तथा भारत की रक्षा मंत्रालय की विभिन्न प्रकार की यथार्थ जानकारियां देकर सभी विद्यार्थियों को मनोबल बढ़ाया ।

इस अवसर पर सीओ कर्नल ऑफिसर्स नितिन थापा एवं सूबेदार मेजर बलविंदर सिंह प्रशिक्षण में शामिल सभी ऑफिसर्स एनसीसी अधिकारी द्वारा व्याख्यान माला के माध्यम से प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक जानकारी मिलने तथा दिनचर्या के माध्यम से जीवन जीने की शैली लक्ष्य को प्राप्त करके आगे बढ़ाने और देशभक्ति राष्ट्र सेवा का जो संकल्प समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी द्वारा अपने उद्बोधन में दिया गया। उसकी सभी अधिकारियों ने सराहना की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कैप्टन मंजू मैडम द्वारा कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। समापन के अवसर पर उपस्थित सभी आर्मी एवं सीसी ऑफिसर्स द्वारा समाजसेवी संतोष गंगेले को एनसीसी का मोनो देकर मंच पर सम्मानित किया गया ।

राकेश थपलियाल अध्यक्ष - प्रमोद सिंह डीजेए के महासचिव निर्वाचित

राकेश थपलियाल (प्रधान संपादक, खेल टुडे) और प्रमोद कुमार सिंह (वरिष्ठ पत्रकार, प्रसार भारती) दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीजेए) के चुनाव 2024-26 में निर्विरोध अध्यक्ष और महासचिव निर्वाचित हुए हैं। नरेश गुप्ता, (पूर्व संपादक, राष्ट्रीय समाचार) कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीजेए), नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) से संबद्ध है।

नामांकन की अंतिम तिथि के बाद चुनाव अधिकारी अशोक किंकर ने चुनाव परिणाम की घोषणा की। सभी उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। चुनाव दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के कार्यालय 7, जंतर मंतर रोड, दूसरी मंजिल, नई दिल्ली 110001 में हुए, जो नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) का मुख्यालय भी है। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के रास बिहारी ने सभी निर्वाचित पत्रकारों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि डीजेए दिल्ली में मीडियाकर्मियों के उत्थान के लिए और तेजी से काम करेगा।

निर्वाचित डीजेए कार्यकारिणी 2024-26: अध्यक्ष : राकेश थपलियाल, महासचिव : प्रमोद कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष : नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष : डॉक्टर रामेश्वर दयाल (पूर्व प्रमुख संवाददाता, नभाटा), के पी मलिक (राजनीतिक संपादक, दैनिक भास्कर), रणवीर सिंह (पूर्व खेल संपादक, इंडिया न्यूज), अनिता चौधरी (दैनिक स्वदेश) चुने गए हैं। सचिव : अमरेन्द्र गुप्ता (वरिष्ठ संवाददाता, डीडी न्यूज), प्रियरंजन (वरिष्ठ संवाददाता, जनसत्ता), कृष्ण देव पाठक (मुख्य संवाददाता, वीर अर्जुन)।

कार्यकारिणी : राजेश कुमार भसीन (विराट वैभव), सुशील देव (फ्रीलांस पत्रकार), प्रतिभा शुक्ल (जनसत्ता), सुजान सिंह (फोटो जर्नलिस्ट), नवीन गौतम (पूर्व प्रमुख संवाददाता, दैनिक जागरण), मानवेंद्र कुमार (लाइव इंडिया न्यूज 24/ संपूर्ण माया), सगीर अहमद (संसद टीवी), निवेदिता मदाने (फ्रीलांस-मराठी पत्रकार), राजेंद्र स्वामी वरिष्ठ पत्रकार, दीप्ति अंगरीश, वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कुमार तिवारी पहल टुडे, अमित कुमार गौड़, बियांड इंडिया, आलोक मोहन नायक वरिष्ठ पत्रकार, डाक्टर अशोक बर्थवाल, धनुष्टंकार डॉट कॉम और प्रदीप श्रीवास्तव, जी मीडिया।

शेख हसीना के भारत में रहने से दोनों देशों के रिश्तों पर पड़ेगा असर

॥ प्रदीप शर्मा ॥

भारत का पड़ोसी देश बांग्लादेश इस समय मुश्किल वक्त से गुजर रहा है. हाल ही में हुए तख्तापलट से देश में अराजकता की स्थिति बनी हुई है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना अपना देश छोड़कर भारत आ गई हैं। उन्होंने फिलहाल भारत में शरण ले रखा है। 84 साल के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूसुफ को फिल्हाल अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाया गया है।

इस राजनीतिक अस्थिरता के बीच बांग्लादेश एक बार फिर से हिंसा के दौर से गुजर रहा है। हालिया रिपोर्ट्स में वहां रह रहे अल्पसंख्यकों पर हमले की खबरें आई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता और वहां हो रहे अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर चिंता व्यक्त की थी।

बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूसुफ भी देश में हो रहे अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की और हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर आश्वासन दिया है। इसके अलावा यूनाइटेड नेशंस और अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी बांग्लादेश की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं।

इस संकट से बांग्लादेश से सटे भारत के राज्यों पर शरणार्थी पलायन को लेकर दबाव की स्थिति बनी हुई है। बांग्लादेश से बड़ी संख्या में लोग भारत की तरफ आ रहे है।

भारत और बांग्लादेश के संबंध उनकी साझा सांस्कृतिक धरोहर, भाषाई और ऐतिहासिक तौर पर जुड़े हुए हैं। बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्थापना के साथ ही शुरू हो गए थे। भारत ने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान स्वतंत्र बांग्लादेश के उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने वाला भारत पहला देश बना। बांग्लादेश का मुक्ति दिवस 16 दिसंबर भारत में 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। सितंबर 2023 में नई दिल्ली में आयोजित हुए G-20 समेल्लन में भारत ने बांग्लादेश को विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। उस समय शेख हसीना के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता हुई थी। इसके बाद पीएम मोदी ने बांग्लादेश को क्षेत्र के विकास में एक 'सोहो जात्री' या सह-यात्री बताया था. तब बांग्लादेश के विदेश मंत्री ए.के. अब्दुल मोमन ने भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों का 'सोनाली अध्याय' (स्वर्णिम युग) कहा था।

भारत की चिंताएं मूलतः यह सुनिश्चित करने की हैं कि बांग्लादेश की स्थिति का हमारे पड़ोसी राज्यों और बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और साथ ही साथ दोनों देशों के बीच आर्थिक गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रहे।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते के बीच शेख हसीना एक अहम किरदार हैं. शेख हसीना भारत के लिए दशकों से सबसे खास मित्रों में से एक रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी उनके रिश्ते मधुर रहे हैं. भारत बांग्लादेश के बीच 2013 से प्रत्यर्पण संधि है। हालांकि, जानकर बताते हैं कि इस संधि का प्रभाव शेख हसीना के मामले में नहीं पड़ेगा।

लेकिन इन सबके बीच कुछ परेशान करने वाले संकेत हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। अल्पसंख्यकों को प्रोफेसरों, शिक्षकों, कर्मचारियों अपने पद से हटाया जा रहा है। जो भी अवामी लीग से जुड़े हैं, उनपर सुनियोजित तरीके से हमले हो रहे है।

बांग्लादेश संकट के बीच CAA कानून की चर्चा भी हो रही है। सवाल उठ रहे हैं कि भारत में आ रहे बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों को क्या CAA भारतीय नागरिकता दिला पाएगी? भारत ने साल 2019 में अपने नागरिकता कानून में बदलाव किया था। इसमें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख समुदाय के लोगो को नागरिकता देने की बात कही गई थी।

अभी बांग्लादेश में पर्सीक्यूशन हो रहा है। वहां धर्म के आधार पर हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। उसके लिए जरूरी है कि भारत सरकार तय की गई तारीख को बढ़ाए, ताकि बांग्लादेश से भाग कर आ रहे हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन कानून का लाभ मिल सके।

चूंकि, 2019 में जो संशोधन हुआ था उसका आधार इन तीन देशों के अल्पसंख्यक को धार्मिक उत्पीड़न से बचाने के लिए हुआ था। अगर भारत सरकार तय तारीख को बढ़ाती है, तो यह कारगर उचित और प्रभावी कदम होगा।

सुप्रसिद्ध गजलकार दुष्यंत कुमार की जयंती पर परिचर्चा और काव्य गोष्ठी का आयोजन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हिन्दी अकादमी, दिल्ली के सहयोग से यमुना युवक केंद्र दिल्ली द्वारा सुप्रसिद्ध गजलकार दुष्यंत कुमार की जन्म जयंती के अवसर पर एक विशेष परिचर्चा और काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, दिल्ली में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हिंदी साहित्य प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर रहा, जिसमें दुष्यंत कुमार के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

फोटो : जगन नेगी

देश के प्रतिष्ठित कवियों और साहित्यकारों की उपस्थिति ने इस विशेष परिचर्चा और काव्य गोष्ठी को और भी आकर्षक बना दिया। काव्य गोष्ठी में राम श्याम हसीन, शिवकुमार बिलगरामी, भारत भूषण आर्य , डॉ. ओंकार त्रिपाठी, आलोक श्रीवास्तव 'अविरल' आमंत्रित किए गए। यह आयोजन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता यमुना युवक केंद्र के महामंत्री विजय शंकर चतुर्वेदी ने की। जबकि पद्मश्री से सम्मानित शिक्षाविद जे एस राजपूत मुख्य अतिथि थे और हिंदी अकादमी दिल्ली के उपसचिव ऋषि कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत एक परिचर्चा से हुई, जिसमें दुष्यंत कुमार की साहित्यिक धरोहर, उनके लेखन की प्रासंगिकता और समाज पर उनके प्रभाव पर गहन चर्चा की गई। इस परिचर्चा में विभिन्न साहित्यिक हस्तियों और विशेषज्ञों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गए। जबकि डॉ. ओंकार त्रिपाठी, शिवकुमार बिलगरामी, भारत भूषण आर्य, आलोक श्रीवास्तव 'अविरल', राम श्याम हसीन, नीना शहर, सौरभ शेखर, नीलम अरोड़ा, सपना अहसास, वंदना कुंअर, अल्का मिश्रा, दर्शनी प्रिय, सत्यम भास्कर आदि कवियों के द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रचनाएँ दुष्यंत कुमार की साहित्यिक धरोहर को समर्पित रहीं और उनकी रचनाओं की गूंज से कार्यक्रम स्थल गुंजायमान हुआ।

इस कार्यक्रम के दौरान अपने अध्यक्षीय भाषण में विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा, "दुष्यंत कुमार की रचनाएँ आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं जितनी अपने समय में थीं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुष्यंत कुमार के साहित्यिक योगदान को याद करना और उनकी गजलों और कविताओं के माध्यम से समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता फैलाना है। "यह कार्यक्रम हिन्दी साहित्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है और युवा पीढ़ी को साहित्य के इस अनमोल खजाने से परिचित कराने का एक अनूठा प्रयास है।"

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध शिक्षाविद और पद्मश्री से सम्मानित जे एस राजपूत ने कहा, "हिन्दी अकादमी, दिल्ली और यमुना युवक केंद्र का यह प्रयास सराहनीय है। इस तरह के कार्यक्रम हमारे साहित्यिक धरोहर को सहेजने और युवाओं में साहित्यिक चेतना जागृत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनते है।"

सुप्रसिद्ध शायर शिवकुमार बिलगरामी ने कहा, "दुष्यंत कुमार जन जागृति के कवि थे। उन्होंने हिन्दी कविता के नवीन बिंबो और प्रतीकों का गजल में प्रयोग कर, गजल की रूह में नई जान डाल दी।

हिन्दी अकादमी और यमुना युवक केंद्र के इस सामूहिक प्रयास से दुष्यंत कुमार की साहित्यिक धरोहर को जीवित रखने का यह आयोजन निश्चित रूप से साहित्य प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अवसर रहा। इस कार्यक्रम ने न केवल दुष्यंत कुमार की साहित्यिक यात्रा को सम्मानित किया, बल्कि यह भी दशार्या कि हिंदी साहित्य में उनकी विरासत आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है जितनी उनके जीवनकाल में थी। इस अवसर पर प्रेस क्लब के पूर्व कोषाधयक्ष अरूण जोशी यमुना युवक केंद्र के संचालक अजय याादव, गांधीवादी विचारक रमेशचंद शर्मा, एसोसिएशन आफ ब्लांड पर्सन से महिला विंग की सचिव राखी अरोड़ा एवं बैंक आफ बड़ौदा के पूर्व मैनेजर एम एस चौहान एवं श्रीमती चंद्रकांता चौहान उपस्थित थे।

'आप' के खिलाफ दिल्ली में आक्रोश प्रदर्शन

आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा किए गए वादों और उनकी विफलताओं के खिलाफ आर. के. पुरम विधान सभा क्षेत्र में आज एक जोरदार आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया गया। एकता विहार एवं सोनिया गांधी कैम्प सैक्टर 6 एवं 7 में आयोजित इस प्रदर्शन में 700 से अधिक निवासियों ने भाग लिया।

इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई मुनीश कुमार गौड़, प्रदेश सह संयोजक वरिष्ठ एवं विशिष्ट नागरिक प्रकोष्ठ भाजपा, अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट, द्वारा की गई। गौड़, जो दिल्ली सरकार के पूर्व संयुक्त श्रमायुक्त भी रह चुके हैं, वह इन बस्तियों के पालक के रूप में कार्यरत हैं।

प्रदर्शन के दौरान निवासियों ने आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा झूठे वादों और भ्रष्टाचार की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने पिछले 10 वर्षों से फ्री बिजली-पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के झूठे वादे किए, जबकि हकीकत में इन बस्तियों में महीनों से सफाई नहीं हुई है और शौचालयों की कमी है।

कार्यक्रम में सतीश उपाध्याय, वाइस चेयरमैन एनडीएमसी, आनंद सिंह, महासचिव, नई दिल्ली ज़िला, नवीन चंद (विस्तारक बस्ती), श्विजय, धर्म सिंह प्रधान, और सत्य अभियान के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

निवासियों ने बिजली के हजारों रुपये के बिलों और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने दिल्ली सरकार को इस मुद्दे पर जवाबदेह ठहराने का संकल्प लिया।

उपराज्यपाल सक्सेना ने नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में 629 नियुक्ति पत्र वितरित किए

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में 629 नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

दिल्ली सरकार में रिक्त स्थाई पदों को भरने की प्रतिबद्धता और दिल्ली के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में दिल्ली सरकार के सेवा विभाग द्वारा आयोजित एक समारोह में 629 नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इन नवनियुक्त उम्मीदवारों को दिल्ली के विभिन्न विभागों/स्थानीय निकायों/ स्वायत्त निकायों में नियुक्त किया जाएगा जिनमें शिक्षा निदेशालय, विकास विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय, दिल्ली परिवहन निगम, दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड, दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली ट्रांस्को लिमिटेड, दिल्ली विकास प्राधिकरण आदि शामिल हैं। इन नई नियुक्तियों में बड़ी संख्या में महिलाएं, दिव्यांग और आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं। इन आयोजनों में माननीय उपराज्यपाल अब तक लगभग 3800 नियुक्ति पत्र वितरित कर चुके हैं। आज के समारोह में दिल्ली के मुख्य सचिव के साथ दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों, स्थानीय निकायों और स्वायत्त निकायों के प्रमुखों व अन्य सम्मानित अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

'दिल्ली पूछ रही सवाल' के अंतर्गत दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने त्रिनगर ब्लॉक में पदयात्रा की और जनता से मुलाकात की। इस मौके पर कम्युनिकेशन चेयरमैन अनिल भारद्वाज, कमलकांत शर्मा, पूर्व विधायक शादी राम, जिलाध्यक्ष मनोज यादव जिला आब्जर्वर इंद्रजीत, रोहताश बसोया, राजेंद्र अवाना, संजय गौतम, सुंदर खारी अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

पितरों के प्रति कृतज्ञता का अवसर है श्राद्ध

पितरों को लक्ष्य कर उनकी क्षुधा-निवृत्ति हेतु श्रद्धा-भक्ति एवं सत्यपूर्वक पिंडदान तथा तृषा-निवृत्ति के लिए जो जलदान (तर्पण) किया जाता है, उसी को 'श्राद्ध' कहा गया है। इसे पितरों को प्रदान करना ग्रंथों में प्रत्येक मानव का कर्त्तव्य माना गया है। विशेष रूप से वर्ष में एक बार जब महालय पर्व आरंभ होता है, तब यह कृत्य अवश्य करणीय होता है। यह आश्विन मास कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तिथि तक होता है। आचार्य हेमाद्रि का मत है कि भाद्रपद पूर्णिमा से अमावस्या पर्यंत इसे मानना चाहिए।

'महालय' में मह कहते हैं पितरों के उत्सव को तेज को तथा आलय का अर्थ है घर अर्थात पितरों के उत्सव संपन्न दिन को 'महालय' कहा गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार-पितरों का स्थान देवताओं से भी बढ़कर है। देवताओं की पूजा के पूर्व पितृ कार्य करना आवश्यक माना गया है। धर्मशास्त्रों में पितरों की अनंत संख्याओं में सात को प्रधान माना गया है- सुकाला, आंगिरस, सुस्वधा, सोम, वैराज, अग्निष्वात तथा बर्हिषद्। ये दिव्य पितर हैं। इनके भी अधिपति हैं आदित्य, रुद्र एवं वसु। मान्यता है कि स्मरण करते ही ये कर्ता के समीप आ जाते हैं और श्राद्ध ग्रहण कर उसकी वंश परंपरा को बढ़ा देते हैं। यदि अपने पितर मोक्ष को भी प्राप्त कर लिए हों, तब भी उनके निमित्त दिया गया श्राद्ध वसु, रुद्र एवं आदित्य में प्रतिष्ठित हो जाता है और वह कर्त्ता को ही मृत्यु के पश्चात सोमतत्त्व (अमृतान्न) के रूप में प्राप्त हो जाता है। स्कंद पुराण का कथन है कि यदि उचित समय में समुचित विधि से श्राद्ध संपन्न न किया जा सके, तब भी यथासंभव श्राद्ध करके ब्राह्मण भोजन एवं दक्षिणा देने से श्राद्ध की पूर्णता हो जाती है तथा पितरों को प्रसन्नता होती है। श्राद्धान्न में ब्राह्मण की आवश्यकता क्यों?

इस विषय में वेद की मान्यता है कि ब्राह्मण एवं अग्नि सहोदर हैं। विराट पुरुष के मुख से दोनों की उत्पत्ति हुई। ब्राह्मणोस्यमुखमासीद् तथा मुखादग्निरजायत। अग्नि हविष्यान्न को देवताओं तक पहुंचाती है तथा ब्राह्मण के मुख में गया श्राद्धान्न पितरों की तृप्ति का कारण बनता है। राजा दशरथ की मृत्यु के पश्चात भरत ने यथोचित श्राद्ध, तर्पण आदि क्रियाएं संपन्न करके विधिवत प्रचुर दान किया था।

भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में पिता की मृत्यु की सूचना पर मंदाकिनी नदी के तट पर जाकर श्राद्ध, तर्पण संबंधी सभी क्रियाएं वेदों में कहे गये वचनानुसार संपन्न कीं- 'करि पितु क्रिया वेद जस वरनी।।' (मानस, अयोध्या काण्ड 247) वाल्मीकि रामायण 2/103 में भी कहा गया है कि सुमंत जी के कहने पर मंदाकिनी के तट पर श्रीराम ने पिता के निमित्त पिंड दान किया। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बहन सुभद्रा के पुत्र अभिमन्यु का विधिवत श्राद्ध किया था। महाभारत आश्वमेधिक पर्व अध्याय 62 और शान्तिपर्व अध्याय 42 में वर्णन आया है कि धर्मराज युधिष्ठिर ने महाभारत युद्ध में मरे हुए समस्त योद्धाओं समेत भीष्म, द्रोण, दुर्योधन, कर्ण आदि की अंत्येष्टि क्रिया संपन्न कर तर्पण करके प्रत्येक नाम से प्रपा (प्याऊ) जलाशय, भवन, सभा आदि का निर्माण कराया। हरिवंश पुराण के अनुसार, एक बार भीष्म पितामह अपने पिता शांतनु का श्राद्ध कर रहे थे। उस समय पिता का हाथ कलाई से अग्रभाग निकल आया और ध्वनि आई मेरे हाथ पर पिंड रख दो।

भीष्म पितामह पिता का हाथ पहचान गये, किंतु क्षण भर के लिए विवेकशून्यता में निर्णय नहीं कर सके, तब श्राद्ध कराने वाले आचार्यों से पूछा कि पिंड पिता के हाथ पर रखूं या कुश पर। आचार्यों ने व्यवस्था दी कि कुश पर ही रखना

चाहिए, तब भीष्म जी ने विचार किया कि यदि पिता के हाथ पर रखता हूं तो भविष्य में श्राद्ध करने वाले सभी लोग यही कहेंगे कि जब पिता का हाथ निकले तब पिंड दूंगा।

इस तरह श्राद्ध कर्म ही समाप्त हो जाएंगे, अतएव कुश पर रखना ही समीचीन है और वैसा ही किया। पिता ने उनकी शास्त्रनिष्ठा को देखकर वरदान दिया कि अब मृत्यु आपके अधीन होगी। जब इच्छा करेंगे, तभी मृत्यु आपको छू सकेगी। महाभारत के अनुशासन पर्व में उल्लेख है कि महालय के समय आत्मीय बांधवों से पितर अपेक्षा करते हैं कि मूल तिथि पर इन्हें श्राद्ध प्राप्त हो। अतएव मेघातिथि एवं वाल्मीकि कहते हैं कि बहुत पुत्रों की अपेक्षा करनी चाहिए, उनमें कोई एक पुत्र तो ऐसा होगा, जो गया जाकर श्राद्ध करेगा। प्रत्येक नक्षत्र में श्राद्ध करने का फल भी भिन्न-भिन्न होता है। शस्त्र, विष, अग्नि या अकाल मृत्यु वालों का श्राद्ध चतुर्दशी तिथि में करना चाहिए।

किसी भी दिन में पंद्रह मुहूर्त होते हैं। श्राद्ध के दिन अष्टम मुहूर्त से आरंभ कर 12वें मुहूर्त तक श्राद्ध संपन्न कर देना चाहिए। जिस दिन श्राद्ध की तिथि हो और वह दो दिन हो, तब जब पूर्ण तिथि अपराह्न में हो, तब करें। एक तिथि में अनेक की मृत्यु हो तो मृत्यु के क्रम से श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध के समय किया जाने वाला तर्पण नित्य किये जाने वाले तर्पण से भिन्न होता है। यदि किसी कारण से महालय में श्राद्ध न किया जा सके, तब कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) के दिन अथवा आश्विन शुक्ल पंचमी अथवा वृश्चिक संक्रांति के दिन करना चाहिए। यदि श्राद्ध के दिन कोई व्रत हो, तो फलाहार से श्राद्ध करें। यद्यपि श्राद्धों की संख्या भी अधिक है, तथापि नित्य, नैमित्तिक, काम्य, वृद्धि एवं पार्वण मुख्य कहे गये हैं। इनके अतिरिक्त गोष्ठी श्राद्ध, शुद्धि श्राद्ध, दैविक श्राद्ध, पुष्टि श्राद्ध, यात्रा श्राद्ध आदि 96 प्रकार के श्राद्ध कहे गये हैं। एक संघात श्राद्ध भी है, जिसे समूह श्राद्ध भी कहते हैं। यह तब किया जाता है, जब बड़ी संख्या में एक साथ दुर्घटना, नरसंहार, भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी, सुनामी अथवा महामारियों के आने पर जब एक साथ बहुत लोग मर जाते हैं, तब उस तिथि के आने पर कभी भी उनके वंशज, सूत्र गोत्र वालों अथवा किसी भी मानव द्वारा पवित्र मन से श्रद्धा भक्तिपूर्वक समष्टि का श्राद्ध किया जाता है। शास्त्रों में तीन ऋण बताये गये हैं, जिसमें प्रथम है ऋषिऋण, पुनः देवऋण, तदनंतर पितृऋण।

ऋषियों की कृपा बिना उनके बोध देने से ही हमें अक्षर, मात्रा, स्वर, शब्द, वाक्य यहां तक कि भाषाओं का ज्ञान प्राप्त हुआ है। देव कृपा बिना मनुष्य अन्न जल के बिना जीवन ही धारण नहीं कर सकता तथा पितरों के बिना सृष्टि ही नहीं चल सकती। संतानोत्पत्ति के पश्चात ही वह पितृऋण का शोधन कर पाता है। हम सबका परम कर्त्तव्य है इस महालय पर्व पर अपनों को श्रद्धा भावना से युक्त होकर श्राद्ध कर्म अवश्य करें। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम अपने पूर्वजों द्वारा किये गये त्याग और बलिदान को हमेशा याद रखेंगे, तभी भारत माता की सच्ची सेवा कर सकेंगे।

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक
08 से 14 सितम्बर 2024

मेष: मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। सप्ताह की शुरूआत से ही आपको अपने सपने सच होते हुए नजर आएंगे। मेहनत का पूरा फल मिलने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा। सप्ताह की शुरूआत उन लोगों के लिए बेहद शुभ रहने वाली है जो अभी तक सिंगल हैं।

वृषभ: वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरूआत में किसी घरेलू समस्या को लेकर मन चिंतित रहेगा। पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद गहरा सकते हैं, लेकिन बेहतर होगा कि आप उसे बजाय कोर्ट-कचहरी ले जाने के आपसी संवाद सुलझाने का प्रयास करें।

मिथुन: इस सप्ताह अचानक से आने वाली कोई आपदा बड़े अवसर में बदल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अचानक से कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे निभाने के लिए आपको अतिरिक्त समय निकालकर परिश्रम करना पड़ेगा। धन को लेन-देन करते समय खूब सावधानी बरतना चाहिए।

कर्क: इस सप्ताह सौभाग्य का साथ अपेक्षा के अनुरूप कम ही मिल पाएगा वहीं निजी जीवन में आने वाली कुछ एक अड़चनें आपकी मानसिक चिंता का बड़ा कारण बनेगी। सप्ताह की शुरूआत में घर-परिवार के किसी बजुर्ग सदस्य की सेहत को लेकर मन चिंतित रहेगा।

सिंह: यह सप्ताह अनुकूल रहने वाला है। सप्ताह की शुरूआत में किसी प्रभावी व्यक्ति से हुई मुलाकात भविष्य में लाभ की योजनाओं से जुड़ने का माध्यम बनेगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर की कृपा बनी रहेगी और जूनियर भी पूरा सहयोग करते हुए नजर आएंगे। जीवनसाथी की तरफ से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

कन्या: यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। कन्या राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में मिले टारगेट को पूरा करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करने की जरूरत रहेगी। सिर्फ कार्यक्षेत्र ही नहीं बल्कि जीवन से जुड़े जिस भी क्षेत्र में कार्य सिद्धि के लिए प्रयास करेंगे, उसमें अत्यधिक परिश्रम के पश्चात ही सफलता प्राप्त होगी।

तुला: इस सप्ताह जोश में आकर होश खोने से बचना होगा। आप अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण बनाए रखें और किसी भी काम को कल पर टालने से बचें, अन्यथा पास आई सफलता हाथ से निकल सकती है। सप्ताह के मध्य में करियर-कारोबार के लिए लंबी या छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं भविष्य में लाभ प्रदान करने वाली होगी।

वृश्चिक: यह सप्ताह मध्यम फलकारी कहा जाएगा। सप्ताह की शुरूआत में कार्यक्षेत्र में अचानक से कामकाज का ज्यादा बोझ बढ़ सकता है, जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय देना पड़ सकता है। इस दौरान आपको उन लोगों से खूब सावधान रहने की जरूरत रहेगी जो अक्सर आपके काम में अड़ंगे डालने में लगे रहते हैं।

धनु: छोटी-मोटी समस्याओं को इग्नोर कर दिया जाए तो आपके लिए यह सप्ताह कुल मिलाकर शुभ साबित होने वाला है। हालांकि होने के लिए आपको अपने समय और धन का प्रबंधन करके चलना होगा। सप्ताह की शुरूआत में समाजसेवा से जुड़े लोगों को किसी कार्य के लिए सम्मानित किया जा सकता है। आपका मन धर्म-कर्म में ज्यादा रमेगा।

मकर: यह सप्ताह अनुकूल साबित होगा। सप्ताह की शुरूआत में ही करियर-कारोबार से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है, जिससे आपके घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। जो लोग विदेश में पढ़ाई या व्यवसाय के लिए प्रयासरत थे, उनकी राह में आ रही अड़चनें दूर हो सकती है।

कुंभ: यह सप्ताह शुभता एवं लाभ लिए हुए है। सप्ताह की शुरूआत में किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभ से जुड़ी किसी योजना जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में बड़ा पद या कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। वेतन और सम्मान में वृद्धि के योग बनेंगे।

मीन: इस सप्ताह की शुरूआत में पास के लाभ के लिए दूर का नुकसान करने से बचना होगा। इस दौरान आप उन लोगों से उचित दूरी बनाकर रखें जो आपको अक्सर किसी न किसी बड़ी उलझन में उलझा कर निकल जाते हैं। किसी के बहकावे या फिर भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें।

अयोध्या में 8वां अशोक सिंहल वेद पुरस्कार समारोह अयोध्या में संपन्न

॥ मनोज शर्मा ॥

अयोध्या में 8वें "भारतात्मा अशोक सिंहल वेद पुरस्कार समारोह " 2024 का भव्य आयोजन हुआ। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उदयपुर स्थित सिंहल फाउंडेशन द्वारा स्वर्गीय अशोक सिंहल की स्मृति में स्थापित किया गया है, जो वेदों के प्रचार और संरक्षण के प्रति समर्पित थे। वेदों के लिए यह देश का पहला राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार है, जो उत्कृष्ट वेद विद्यार्थी, आदर्श वेद अध्यापक और उत्तम वेद विद्यालय को सम्मानित करता है। इस समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

ब्रह्मर्षि विष्णु भट्टल सुब्रह्मण्य शास्त्री को 'भारतात्मा वेदार्पित जीवन' सम्मान से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत शास्त्री ने कहा, "वेद हमें हमारे जीवन के हर एक चरण में मार्गदर्शन करते हैं और हमें ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। इसलिए, वेदों द्वारा प्रदान किए गए ज्ञान और बुद्धिमत्ता को प्राप्त करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।"

समारोह में भीलवाड़ा के नारायण लाल शर्मा को 'उत्कृष्ट वेद विद्यार्थी', आर. राजमौली को 'आदर्श वेद अध्यापक', और काशी स्थित आचार्य गोपालचंद्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान को 'उत्तम वेद विद्यालय' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आदर्श वेद अध्यापक आर. राजमौली ने कहा, "वेदों में निहित ज्ञान हर युग और काल में प्रासंगिक है, वे हमें आत्मिक, मानसिक और सामाजिक जीवन के सभी पहलुओं में मार्गदर्शन करते हैं।" मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अशोक सिंहल के योगदान को याद करते हुए कहा, "अशोक सिंहल की प्रतिबद्धता भारत और सनातन धर्म की रक्षा के प्रति अद्वितीय थी। आज जो भव्य राम मंदिर अयोध्या में साकार हो रहा है, उसमें उनका योगदान अमूल्य है।" उन्होंने आगे कहा, "भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत और संस्कृति में निहित है, और यही हमारे देश की आत्मा है। आज जब दुनिया शांति और सद्भाव के लिए भारत की ओर देखती है, तो यह गुरुकुलों और वेद परंपरा के महत्व को दशार्ता है।"

सिंहल फाउंडेशन के संस्थापक सलिल सिंहल ने समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वर्गीय अशोक सिंहल के जीवन और उनके कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "अशोकजी ने जीवनभर वेदों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य किया। इस पुरस्कार की स्थापना उनके इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए की गई है।"

समारोह के दौरान रामजन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने अशोक सिंहल को याद करते हुए बताया कि उन्होंने इस पुरस्कार को 'भारतात्मा' नाम दिया, क्योंकि उनके दिल और आत्मा में सदैव भारत बसा रहा। उन्होंने आगे कहा, "अशोक सिंघल ने अपना जीवनकाल वेद, भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के उत्थान में समर्पित किया था। उनका विश्वास था कि भारत की तरक्की तब ही संभव है तब हम अपने वेदों और भारतीय भाषाओं का बढ़ावा दें। अशोक भारत माता के सच्चे सपूत थे जिनकी याद में आज हम यहां इकट्ठा हुए हैं।"

समारोह का समापन सिंहल फाउंडेशन के न्यासी संजय सिंहल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

यह पुरस्कार समारोह वेदों के प्रचार और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हर वर्ष इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करता है।

दिल्ली के नए मुख्य सचिव होंगे धर्मेंद्र कुमार

केंद्र सरकार ने दिल्ली के मुख्य सचिव का कार्यकाल संभाल रहे नरेश कुमार को अब एक्सटेंशन नहीं दिया। केंद्र सरकार ने उनकी जगह पर आईएएस धर्मेंद्र कुमार को नियुक्त किया है। धर्मेंद्र कुमार 1989 बैच के आईएएस अधिकारी है। इससे पहले भी वह कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

धर्मेंद्र कुमार 1989 बैच सीनियर आईएएस हैं। धर्मेंद्र कुमार 19 अप्रैल, 2022 से अरुणाचल प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्हें अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली ट्रांसफर किया गया है। इससे पहले वह नई दिल्ली नगरपालिका परिषद यानी एनडीएमसी के चेयरपर्सन की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

कांग्रेस ने दिल्ली के उपराज्यपाल को कभी ऐसी शक्तियां नहीं दी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने और दिल्ली में उपराज्यपाल की शक्तियां बढ़ाने को लेकर खुलकर बात की।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली के उपराज्यपाल की शक्ति बढ़ाए जाने के बारे में उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में हमारी सरकार थी, तब एलजी को ऐसी शक्ति नहीं दी गई थी। यह दुखद है कि यहां कुश्ती चल रही है, जिसमें दिल्ली की जनता पिस रही है। यह नूरा कुश्ती है या अल कुश्ती, लेकिन इसका खामियाजा दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने दोनों पहलवानों बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट के हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर कहा कि यह

निर्णय तो हरियाणा की कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी लेगी। कमेटी के द्वारा जो निर्णय लिया जाएगा उसे आपके बीच हम साझा करेंगे।

विश्व बैंक ने 2024-25 के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ अनुमान को 6.6 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। इस बारे में उन्होंने कहा कि हम जीडीपी को लेकर सरकार की आलोचना नहीं करते। मुद्दा यह है कि आम आदमी का जीवन कितना कठिन है और कठिन होता जा रहा है, चाहे वह मध्यम वर्ग हो, मजदूर वर्ग हो, बिहारी मजदूर हो, कोई भी हो।

कांग्रेस पार्टी हमेशा आम आदमी के जीवन को लेकर चिंतित रही है और आगे भी रहेगी। इन आंकड़ों से पेट नहीं भरने वाला है। न ही पेट्रोल के दाम कम होने वाले हैं। इन आंकड़ों से दाल, रोटी, गैस सिलेंडर और सब्जियों के दाम कम होने वाले नहीं हैं।

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की शक्तियां बढ़ा दी है। अब दिल्ली के उपराज्यपाल राजधानी में किसी भी प्राधिकरण, बोर्ड, आयोग या वैधानिक निकाय का गठन और उसके सदस्यों की नियुक्ति कर सकेंगे। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। यह फैसला राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 के तहत लिया गया है।

पहले यह अधिकार दिल्ली सरकार के पास था। लेकिन अब केंद्र सरकार ने यह अधिकार उपराज्यपाल को दे दिया है। ऐसे में इस मुद्दे पर राजनीतिक पारा चढ़ना तय है। इस बीच गृह मंत्रालय ने अधिसूचित किया है कि राष्ट्रपति ने संसद द्वारा दिल्ली के लिए बनाए गए कानूनों के तहत उपराज्यपाल को यह अधिकार देने का महत्वपूर्ण फैसला किया है।

सेंट एंजेल्स स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

॥ विवेक जैन ॥

डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर सेंट एंजेल्स पब्लिक स्कूल बागपत के प्रांगण में शिक्षक दिवस बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने अपने शिक्षकों को उपहार भेंट किये और शिक्षकों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत स्कूल प्रांगण में विद्यार्थी जीवन में गुरुओं का महत्व विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में पूर्वी, आस्था, शिफा, सृष्टि, इशिका, निहारिका, रितिका, अग्रिमा, गरिमा, मदीहा, वंशिका, सिया, निकुंज, याशिका, उर्मी, समीक्षा, अनन्या, लक्षिका, नैंसी, तुष्टि, माही आदि ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक अजय गोयल ने शिक्षक, शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा शिक्षक हमारे जीवन के मार्गदर्शक हैं, जो हमें श्रेष्ठ मार्ग पर चलना सीखाते हैं। इस अवसर पर बबलेश, राजीव, दिवाकर, अमन, शिवम, गीता, निधि, हनुराज, सचिन, गौरव, दीपक, रीना, सुमन, ममता, पायल आदि शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

नायक समाज द्वारा निकाली गई भव्य बाबा रामापीर प्रकाशोत्सव शोभा यात्रा

महावीर मंदिर नीम वाला चौक नबी करीम से नायक समाज द्वारा श्री बाबा रामापीर प्रकाशोत्सव के शुभ अवसर पर 30वीं विशाल शोभायात्रा निकाली गई इस अवसर पर नायक समाज के साथ ही सर्व समाज के लोगों शोभायात्रा में शामिल हुए शोभायात्रा कमेटी के कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य दिलावर सिंह मलखट ने बताया की बाबा रामापीर प्रकाशोत्सव पर्व पर विगत तीस वर्षों से एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है व इसमें पूरी दिल्ली के साथ-साथ अन्य प्रदेशों से भी श्रद्धालु शामिल होते हैं बल्लीमारान के विधायक व दिल्ली सरकार में मंत्री इमरान हुसैन शोभायात्रा के दौरान यात्रा में शामिल रहें।

हरियाणा में बीजेपी जा रही और कांग्रेस आ रही है

हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत का भरोसा जताते हुए कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी नेतृत्व और खट्टर साहब दोनों जानते हैं कि बीजेपी जा रही है और कांग्रेस यहां जीतेगी। नई दिल्ली के हिमाचल भवन में गुरुवार को आयोजित हरियाणा उप-समिति की बैठक में भाग लेने के तुरंत बाद, हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के लोगों ने फैसला किया है कि वे राज्य में कांग्रेस सरकार बनाएंगे।

यह बात बीजेपी नेतृत्व और खट्टर साहब दोनों जानते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता यह स्वीकार करें कि उन्हें पार्टी में सम्मान नहीं मिल रहा है और पार्टी का राज्य में कोई भविष्य नहीं है। दीपेंद्र ने कहा कि पार्टी के आंतरिक आकलन, जमीनी रिपोर्ट और मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि हरियाणा में बीजेपी जा रही है और कांग्रेस जीतेगी। बैठक के बाद

सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि उसमें आप बीजेपी की हताशा देख सकते हैं। यह उस जमीन की तरह है जो बंजर हो गई है, उन्हें अच्छे उम्मीदवार नहीं मिले हैं। उन्होंने हमला करते हुए कहा कि वे पिछले 10 वर्षों से सत्ता में हैं और लोग अब उन्हें छोड़ रहे हैं और वे बाहर से लोगों को आयात कर रहे हैं। वे पहले ही हार मान चुके हैं। उनके वरिष्ठ नेता गायब हैं।

शैलजा ने कहा कि सीएम ने खुद चार महीने पहले एक सीट जीती थी और वह भी अच्छे अंतर से, फिर क्या कारण है कि वह दूसरी सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं? जरूर कोई कमजोरी होगी। बीजेपी की लिस्ट के मुताबिक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा सीट से चुनाव लड़ेंगे. पहली सूची में शामिल अन्य प्रमुख नेता ज्ञान चंद गुप्ता पंचकुला से, अनिल विज अंबाला कैंट से, कंवर पाल गुर्जर जगाधरी से, सुनीता दुग्गल रतिया से, भव्या बिश्नोई आदमपुर से और तेजपाल तंवर सोहना से चुनाव लड़ेंगे।

इस बीच, हरियाणा के मंत्री और भाजपा नेता रणजीत सिंह चौटाला ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी द्वारा टिकट नहीं दिए जाने के बाद मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। भाजपा ने 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए 67 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के भाई रणजीत चौटाला ने रानिया सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ने का फैसला किया।

मेरा हमेशा प्रयास रहा महाराजा अग्रसेन अस्पताल पंजाबी बाग सेवा क्षेत्र में अग्रणी स्थान हासिल करे : डॉ. अनिल जिंदल

प्रसिद्ध फिजिशियन और पिछले ढाई तीन दशक से चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न आयामों को स्थापित करने वाले और सीएमओ से लेकर अपनी योग्यता अथवा परिश्रम और बेदाग करियर से अब प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन अस्पताल पंजाबी बाग के उप - चिकित्सा अधीक्षक पद को सुशोभित कर जनता की सेवा में कार्यरत डॉ. अनिल जिंदल (एम.डी) से वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार निर्भय ने बातचीत करके उनके विषय से लेकर चिकित्सा क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं और संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास किया। साक्षात्कार के महत्वपूर्ण अंश यहाँ प्रस्तुत हैं।

प्रश्नः डॉ. अनिल जिंदल, आपने मेडिकल क्षेत्र में अपना करियर कैसे शुरू किया, और इस क्षेत्र में आने की प्रेरणा क्या थी?

उत्तरः देखिये मैंने अपने करियर की शुरूआत एक साधारण मेडिकल डॉक्टर के रूप में की। बचपन से ही चिकित्सा के क्षेत्र में रुचि थी, और लोगों की सेवा करने की प्रेरणा ने मुझे इस पेशे की ओर खींचा।

समय के साथ, मैंने महसूस किया कि अस्पताल प्रशासन में भी मेरी रुचि रही, और यही कारण है कि मैंने मेडिकल सुपरिटेंडेंट बनने की दिशा में अपने सफल और बेदाग करियर के साथ मेहनत और समर्पण के साथ अस्पताल में सेवाएं दी और आज यहाँ पहुंचा हूँ।

प्रश्नः डॉ. अनिल जिंदल, आपकी जिम्मेदारियों में कौन-कौन से कार्य शामिल होते हैं?

उत्तरः एक डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट के रूप में मेरी जिम्मेदारियों में अस्पताल की दैनिक गतिविधियों का प्रबंधन, मेडिकल स्टाफ की निगरानी, मरीजों की देखभाल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना शामिल है। इसके अलावा, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी निर्णय लेना भी मेरी जिम्मेदारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

प्रश्नः डॉ. अनिल जिंदल, अस्पताल में मरीजों की देखभाल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आप कौन-कौन से उपाय अपनाते हैं ?

उत्तरः हम नियमित रूप से स्टाफ के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं ताकि वे नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों से अवगत रहें। इसके अलावा, हम मरीजों से सीधे प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए सर्वेक्षण करते हैं, जिसका उपयोग हम अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से भी समय-समय पर विभिन्न विभागों का निरीक्षण करता हूं।

प्रश्न : डॉ. अनिल जिंदल, कोविड-19 महामारी के दौरान आपके अस्पताल को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और आपने उन्हें कैसे प्रबंधित किया?

उत्तरः कोविड-19 महामारी हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी। अस्पताल में संसाधनों की कमी, स्टाफ की थकान, और मरीजों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। लेकिन कुशल मैनेजमेंट ने संसाधन जुटाए और हमने स्टाफ के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता कार्यक्रम शुरू किए और बेहतर प्रबंधन के लिए अतिरिक्त संसाधनों को जुटाया।

प्रश्नः डॉ. अनिल जिंदल, तकनीकी उन्नति ने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सा सेवाओं को किस प्रकार प्रभावित किया है ?

उत्तरः तकनीकी उन्नति ने अस्पताल प्रशासन को बहुत ही प्रभावी और कुशल बना दिया है। इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड्स (EMR) से लेकर टेलीमेडिसिन सेवाओं तक, तकनीक ने हमें मरीजों की देखभाल में सुधार और समय की बचत दोनों में सहायता की है। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं ने भी महामारी के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्नः डॉ. जिंदल, क्या आप अपने अस्पताल में भविष्य में लागू होने वाले किसी महत्वपूर्ण सुधार या परियोजना के बारे में कुछ बता सकते हैं ?

उत्तरः हम निकट भविष्य में अस्पताल के विस्तार और एक नई तकनीकी प्रणाली के कार्यान्वयन की योजना बना रहे हैं, जिसमें एआई-आधारित डायग्नोस्टिक टूल्स और रोबोटिक सर्जरी की तकनीक शामिल होगी। इससे मरीजों की देखभाल में और सुधार होगा और अस्पताल की क्षमता बढ़ेगी। अभी हमारे महाराजा अग्रसेन अस्पताल,पंजाबी बाग में हमारे अस्पताल के प्रधान सुभाष गुप्ता, हमारे महामंत्री प्रवीण गुप्ता, नरेश एरण, हमारे सीएमडी डॉ. दीपक सिंगला के नेतृत्व में कैंसर अस्पताल भी निमार्णाधीन है। जो आने वाले समय में चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम छुएगा।

प्रश्नः डॉ. अनिल जिंदल, मरीजों और उनके परिवारों को क्या सलाह देना चाहेंगे ?

उत्तरः मैं मरीजों और उनके परिवारों से आग्रह करता हूं कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच को महत्व दें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, और किसी भी स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज न करें। इसके अलावा, अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में, चिकित्सा स्टाफ के साथ सहयोग करें और उनकी सलाह का पालन करें।

वर्तमान उप - चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिल जिंदल के साथ इस साक्षात्कार के बाद यह स्पष्ट होता है कि उनके नेतृत्व में महाराजा अग्रसेन अस्पताल पंजाबी बाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। उनका विस्तृत अनुभव, पेशेवर दृष्टिकोण, और कठिन परिस्थितियों में धैर्य पूर्ण निर्णय लेने की क्षमता ने अस्पताल को निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर किया है।

डॉ. अनिल जिंदल का समर्पण और उनके द्वारा अपनाई गई नवाचारी पद्धतियाँ अस्पताल की सफलता का प्रमुख आधार हैं। वे न केवल मरीजों की देखभाल में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बल्कि पूरे चिकित्सा समुदाय को प्रेरणा देने का काम भी करते हैं।

उनकी दूरदर्शिता और तकनीकी समझ ने अस्पताल को आधुनिक चिकित्सा की दिशा में अग्रणी बना दिया है, जिससे मरीजों को सर्वोत्तम सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। उनका प्रयास, निस्संदेह, अन्य चिकित्सा संस्थानों के लिए भी एक आदर्श उदाहरण है। डॉ. अनिल जिंदल जैसे समर्पित और कुशल नेतृत्व के तहत, महाराजा अग्रसेन अस्पताल आने वाले समय में भी चिकित्सा क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उनके द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों के लिए हम उन्हें धन्यवाद और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

हेरिटेज इंडिया का दिव्यांग लोगों के लिए जांच शिविर

विगत लगभग 20 वर्षों से 108 बेसहारा बुजुर्गों को गोद लेकर उनकी देखभाल करती आ रही सामाजिक संस्था हेरिटेज इंडिया ने हमेशा की तरह ही मानवीय पहल करते हुए बुराड़ी विधानसभा के मिलन विहार में दिव्यांग लोगों के लिए एक जांच शिविर लगवाया। इस शिविर में विभिन्न रोगों और शारीरिक अक्षमताओं की जांच के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रही।

इस शिविर में जांच के बाद लगभग 250 से ज्यादा दिव्यांगों को चिन्हित कर अलग-अलग तरह की मदद मिलेगी जिसमें से किसी को सुनने की मशीन, किसी को कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर या बैसाखी, कृत्रिम आंख और नेत्रहीनों के लिए हाथ की छड़ी चश्मे जैसे जरूरी यंत्र या उनसे जुड़ी दूसरी अन्य चीजें उपलब्ध करवाई जाएंगी।

इस संस्था के अध्यक्ष एस एन दूबे और संस्था के राष्ट्रीय सलाहकार आदेश भारद्वाज ने बताया कि हमारी यह संस्था एक लंबे समय से 108 बेसहारा बुजुर्गों को गोद लेकर उनके आश्रय से लेकर उनके भोजन, दवाएं और कपड़ों का इंतजाम करती आ रही है।

हमने कई जरूरतमंद और अन्य लोगों द्वारा कुछ गरीब और मजबूर दिव्यांग लोगों के लिए कृत्रिम अंग और उनके जीवन को सरल बना देने वाली कुछ जरूरी चीजें उपलब्ध करवाने के लिए कहा गया था। लेकिन जब हमने इसका खाका तैयार किया तो हमें सर्वप्रथम यह महसूस हुआ कि सबसे पहले उन दिव्यांगों की जांच जरूरी है कि अगर किसी को कृत्रिम हाथ, पैर या कोई और कृत्रिम अंग चाहिए तो वह किस साइज का हो, दाएं हाथ या पैर या फिर बाएं।

इसके लिए पहले हमने जांच शिविर का आयोजन कर ऐसे लोगों को चिन्हित किया। जिस कार्य में हमें डॉ रणबीर सिंह, डॉ अनीता गुप्ता, डॉ नैन्सी जुनेजा, डॉ कपिल कुमार, एस के पांडे, चंचल केन , ब्रिज पाल सिंह, शिवम पांडे, एडवोकेट वीरेंद्र गिल जैसे लोगों का बेहतरीन सहयोग मिला और इनके अथक प्रयासों यह कार्य हमारे लिए ज्यादा सुगम हो सका और अब बहुत जल्द सभी जरूरतमंद दिव्यांगों को उनके अंग प्रदान कर दिए जायेंगे। और यही नहीं आगे भी हमारी यह संस्था समाज कल्याण के किसी भी कार्य में अग्रणीय भूमिका निभाने के लिए सदैव तैयार रहेगी।

रेलवे कर्मियों-पेंशनर्स के लिए खुशखबरी 100 रुपये में बनेगा यूनिक कार्ड

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के लिए स्वास्थ्य देखभाल नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। रेलवे अब अपने सभी कर्मचारियों, उनके आश्रितों और पेंशनभोगियों को विशिष्ट चिकित्सा पहचान (यूएमआईडी) कार्ड जारी करेगा, जिसके माध्यम से वे रेलवे पैनल में शामिल अस्पतालों और देश के सभी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। यह कार्ड महज 100 रुपये की लागत से बनवाया जा सकता है। इस नई व्यवस्था से रेलवे के करीब 12.5 लाख कर्मचारियों, 15 लाख से ज्यादा पेंशनभोगियों और करीब 10 लाख आश्रितों को फायदा होगा।

यह निर्णय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की शिकायतों के बाद लिया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि डॉक्टर अपने पसंदीदा अस्पतालों के लिए रेफरल जारी करते हैं। नई नीति के तहत अब बिना रेफर के इलाज संभव होगा। इससे उन्हें बिना किसी बाधा के चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी और डॉक्टरों की रेफरल संबंधी शिकायतों का भी समाधान हो जाएगा। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, जिपमर पुडुचेरी, एनआईएमएचएएनएस बेंगलुरु जैसे राष्ट्रीय संस्थानों और देश के 25 एम्स में इलाज के लिए किसी रेफरल की आवश्यकता नहीं होगी। इन संस्थानों में न सिर्फ इलाज बल्कि जरूरी दवाएं भी मुहैया कराई जाएंगी।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (परिवर्तन) प्रणव कुमार मलिक ने विशिष्ट चिकित्सा पहचान (यूएमआईडी) कार्ड के तत्काल रोलआउट के लिए एक निर्देश जारी किया। इस पहल का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए चिकित्सा पहचान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। इसे स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के साथ एकीकृत करके, यूएमआईडी कार्ड को सरकार द्वारा समर्थित डिजिटल स्टोरेज प्लेटफॉर्म डिजीलॉकर में सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जाएगा जो महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा और पहुंच सुनिश्चित करता है।

इस कार्ड के जरिए कर्मचारी, पेंशनभोगी या आश्रित रेलवे के पैनल में शामिल किसी भी अस्पताल या डायग्नोस्टिक सेंटर में इलाज करा सकेंगे। इस कार्ड का उपयोग आपातकालीन या सामान्य उपचार के लिए किया जा सकता है। अगर किसी के पास यूएमआईडी कार्ड नहीं है तो उसका यूएमआईडी नंबर भी इलाज के लिए मान्य होगा। विशेष परिस्थितियों में कुछ अस्पतालों के लिए रेफरल जारी किए जाएंगे, जो 30 दिनों के लिए वैध होंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू-मोदी ने धरमबीर, प्रणव के 'जज्बे' की सराहना की

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पैरा-एथलीट धरमबीर और प्रणव सूरमा को पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की क्लब थ्रो स्पर्धा में पदक जीतने के लिए बधाई दी और उनके 'अजेय जज्बे' की प्रशंसा की।

धरमबीर और प्रणव ने पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 वर्ग में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में भारत का यह पहला पोडियम स्थान था।

राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, "मैं पेरिस 2024 पैरालंपिक में पुरुषों की क्लब थ्रो स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतने पर धर्मबीर और प्रणव सूरमा को बधाई देती हूं।

यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उनका शानदार प्रदर्शन उभरते एथलीटों को क्लब थ्रोइंग को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा। मैं उन्हें निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं देती हूं।"

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, "धरमबीर ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने #पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में भारत के लिए पहला पैरालंपिक स्वर्ण जीता है! यह अविश्वसनीय उपलब्धि उनकी अजेय भावना के कारण है। देश इस उपलब्धि से बेहद खुश है।"

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, "पैरालंपिक 2024 में पुरुष क्लब थ्रो एफ51 में रजत पदक जीतने के लिए प्रणव सूरमा को बधाई! उनकी सफलता अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। उनकी दृढ़ता सराहनीय है।"

35 वर्षीय धरमबीर ने अपने पांचवें प्रयास में 34.92 मीटर की दूरी तय करके एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, प्रणव ने 34.59 मीटर की दूरी तय करके शुरूआत की और रजत पदक जीता।

अब तक भारत ने पेरिस 2024 में पांच स्वर्ण, नौ रजत और 10 कांस्य के साथ 24 पदक जीते हैं, जो पैरालंपिक खेलों में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है।

इससे पहले, भारत ने टोक्यो 2020 में पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य के साथ 19 पदक जीते थे।

पेरिस पैरालंपिक में छा गए इटावा के अजीत सिंह यादव

पेरिस पैरालंपिक में अजीत सिंह ने अपनी कामयाबी की स्क्रिप्ट अपने दाएं हाथ से भाला फेंक कर लिखी। उनका बायां हाथ नहीं है। पैरा खेलों में यह एथलीट किसी पहचान का मोहताज नहीं है। मगर, क्या आपको पता है जितने अव्वल अजीत खेल में है, उससे कई ज्यादा आगे दोस्ती निभाने में है।

उत्तर प्रदेश का एक जिला है इटावा। यहां के एक छोटे गांव से निकलकर दुनियाभर में अपने परिवार और भारत का नाम रौशन करने वाले पैरा एथलीट अजीत सिंह यादव उन लोगों के लिए मिसाल हैं, जो अपनी जिंदगी में अनचाहे हादसे को कोसते रहते हैं और आगे नहीं बढ़ते हैं।

5 सितंबर 1993 को जन्मे अजीत साल 2017 तक अन्य लोगों की तरह सामान्य जीवन जी रहे थे। लेकिन 2017 में घटी एक घटना में दोस्त की जान को बचाते हुए वो एक बड़े हादसे का शिकार हो गए।

दरअसल, उनका वो हाथ ट्रेन की चपेट में आकर कट गया था। अजीत सिंह के बाएं हाथ का कोहनी से नीचे का हिस्सा नहीं है। हादसे के बाद उनका इलाज हुआ। उनका रिहैब चला और सिर्फ 4 महीने बाद ही साल 2018 में हरियाणा के पंचकूला में हुए पैरा एथलेटिक्स जूनियर नेशनल में उन्होंने हिस्सा लिया। और, यहीं से उनके शानदार सफर की कहानी शुरू हुई।

साल 2019 में अजीत सिंह यादव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिला। उन्होंने बीजिंग (चीन) में आयोजित 7वीं विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। अजीत यही नहीं रुके, साल 2019 में उन्होंने दुबई में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जहां उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। हालांकि, वो टोक्यो में मेडल नहीं जीत पाए थे लेकिन पेरिस में उन्होंने शानदार वापसी की।

नीरज चोपड़ा ने ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने 14 सीरीज मीट के बाद समग्र स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहकर ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

सीजन का समापन 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम होगा।

डायमंड लीग का 2022 संस्करण जीतने वाले भारतीय स्टार एथलीट ने दोहा और लुसाने में श्रृंखला की दो प्रतियोगिताओं में भाग लिया और दूसरे स्थान पर रहकर 14 अंक अर्जित किए। उन्होंने मीट के ज्यूरिख चरण से बाहर होने का विकल्प चुना।

नीरज तीसरे स्थान पर मौजूद चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच से दो अंक पीछे हैं। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मन स्टार जूलियन वेबर क्रमशः 29 और 21 अंकों के साथ पहले दो स्थान पर हैं।

26 वर्षीय खिलाड़ी दो ओलंपिक पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट बन गए। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था।

पेरिस ओलंपिक में, नीरज अपनी कमर की चोट से जूझ रहे थे, जिसके कारण वह 90 मीटर के निशान को पार नहीं कर पाए।

नीरज अपने छठे और अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर के थ्रो के साथ लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। पीटर्स ने अपने 90.61 मीटर के अंतिम थ्रो के साथ और जर्मनी के जूलियन वेबर ने 88.37 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ क्रमशः पहला और तीसरा स्थान हासिल किया।

पेरिस में, चोपड़ा ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया, जो 87.58 मीटर में स्पष्ट सुधार था जिसने उन्हें टोक्यो में स्वर्ण पदक दिलाया, लेकिन यह मौजूदा विश्व चैंपियन और डायमंड लीग फाइनल विजेता के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ। खेल में उनके अच्छे दोस्त पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर की जबरदस्त थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतने का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाकर उन्हें पीछे छोड़ दिया।

900 गोल की उपलब्धि पर पहुंचे करिश्माई स्ट्राइकर रोनाल्डो

करिश्माई स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्लब और देश के लिए अपने करियर का 900वां गोल किया, यह उपलब्धि पहले कभी नहीं हुई। छह बार के बैलन डी'ओर विजेता ने यूईएफए नेशंस लीग ग्रुप मैच में क्रोएशिया पर 2-1 की जीत के दौरान पुर्तगाल का दूसरा गोल किया।

जबरदस्त उपलब्धि के बाद, रोनाल्डो ने कहा कि वह रिकॉर्ड नहीं तोड़ते बल्कि 'वे उन्हें परेशान करते हैं।'

रोनाल्डो ने मैच के बाद साक्षात्कार में कहा, "900 गोल किसी भी अन्य मील के पत्थर की तरह लगते हैं, लेकिन केवल मैं ही जानता हूं कि अपना 900वां गोल करने के लिए हर दिन कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। यह मेरे करियर में एक अनोखा मील का पत्थर है। मैं रिकॉर्ड नहीं तोड़ता, वे मुझे परेशान करते हैं!"

रोनाल्डो का गोल उस रात अंतर पैदा करने वाला साबित हुआ और पुर्तगाल को नेशंस लीग ग्रुप ए अभियान में विजयी शुरूआत करने में मदद मिली। 2016 यूरो विजेताओं के लिए यह उनका 131वां गोल था।

अल-नासर फारवर्ड अपने मील के पत्थर के जश्न में छह-यार्ड बॉक्स के किनारे से स्कोर करने के बाद अपने घुटनों पर गिर गए और अपने देश में ऐसा करने का सम्मान पाने के जबरदस्त क्षण से भावुक थे।

हालाँकि यह अनिश्चित है कि रोनाल्डो का अंतर्राष्ट्रीय करियर कब समाप्त हो सकता है, पुर्तगालियों ने हाल ही में स्वीकार किया है कि यह 'सहज निर्णय' होगा, 39 वर्षीय ने कहा कि वह अब राष्ट्रीय टीम के लिए ट्रॉफी जीतने के लिए प्रेरित नहीं हैं।

उन्होंने कहा, "पुर्तगाल का यूरो जीतना विश्व कप जीतने के बराबर है। मैं पहले ही पुर्तगाल के लिए दो ट्रॉफियां जीत चुका हूं जो मैं वास्तव में चाहता था। मैं इससे प्रेरित नहीं हूं। मैं फुटबॉल का आनंद लेने से प्रेरित हूं और रिकॉर्ड स्वाभाविक रूप से बनते हैं।"

अपने करियर में रोनाल्डो ने दो दशकों से अधिक समय तक यूरोप में अपना दबदबा कायम रखा है और वह फुटबॉल इतिहास में सबसे शानदार गोल स्कोरर में से एक साबित हुए हैं। स्पोर्टिंग लिस्बन (5 गोल) मैनचेस्टर यूनाइटेड (145 गोल), रियल मैड्रिड (450 गोल) जुवेंटस (101 गोल), अल-नासर (68 गोल। उनके कार्यकाल ने उन्हें अनगिनत रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराते देखा है।

इस ऐतिहासिक मील के पत्थर तक पहुंचने के बाद, रियल मैड्रिड, वह क्लब जहां पुर्तगाली स्ट्राइकर ने 'मिस्टर चैंपियंस लीग' उपनाम अर्जित किया, ने अपने सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर को बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

"एक और ऐतिहासिक मील का पत्थरः रियल मैड्रिड और विश्व फुटबॉल के महानतम दिग्गजों में से एक के पेशेवर करियर में 900 गोल। बधाई हो, प्रिय और प्रशंसित @क्रिस्टियानो ."

एक्स पर रियल मैड्रिड ने अपनी पोस्ट में कहा ! रियल मैड्रिड और मैड्रिड के प्रशंसकों को हमेशा आप पर गर्व है। "

पैरालंपिक के खिलाड़ियों पर पूरे देश को गर्व है : मांडविया

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि पूरे देश को इन खिलाड़ियों पर गर्व है।

पेरिस पैरालंपिक में भाग लेकर स्वदेश लौटे भारतीय खिलाड़ियों का स्वागत करने के बाद मांडविया ने कहा,"मुझे आज खुशी है कि पेरिस पैरालंपिक में हमारे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले आठ दिनों में हमारे खिलाड़ियों ने 24 पदक (5 स्वर्ण, 9 रजत, 10 कांस्य पदक) जीते हैं। न केवल खिलाडियों ने अपना कौशल दिखाया है, जिस पर मैं गर्व महसूस करता हूं, बल्कि उन्होंने देश का गौरव भी बढ़ाया है। आज देश के हर नागरिक को हर पैरालंपिक खिलाड़ी पर गर्व महसूस होता है। चीयर फॉर भारत से मैं खिलाड़ियों का स्वागत करता हूं। अभी दो दिनों का खेल बाकी हैं जिनमें हमारे खिलाड़ी और पदक जीतेंगे।"

खेल मंत्री ने कहा,"जो खिलाड़ी दूसरे चरण में भाग लेकर भारत लौटे हैं, उनका मैंने स्वागत किया है। उन्हें प्रोत्साहित किया है। भारत के पदक तालिका में 13 वें स्थान पर पहुंचने के बारे में पूछे जाने पर मांडविया ने कहा कि अभी दो दिन का खेल बाकी है। हमारे खिलाड़ी अभी और पदक जीतेंगे।

पिछले टोक्यो पैरालंपिक में हमारे 19 पदक थे लेकिन इस बार हम उससे भी आगे निकल चुके हैं। मुझे उनके प्रदर्शन पर बहुत खुशी है और उम्मीद है कि बचे दो दिन में वे और पदक हासिल करेंगे।

राधिका सेठ की बोल्डनेस से उर्फी जावेद फेल

वेब सीरीज कॉल माय एजेंट फेम राधिका सेठ को बॉलीवुड में देखा गया था और उनके किरदार को भी खूब पसंद किया गया। हाल ही में एक्ट्रेस राधिका सेठ की लेटेस्ट तस्वीरों ने एक बार फिर से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी हैं।

हर बार अपनी बोल्डनेस से लोगों को अपने हुस्न का कायल करने वाली एक्ट्रेस राधिका सेठ अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टा पर पोस्ट की हैं।

इन तस्वीरों में राधिका सेठ ने ऑरेंज कलर की बिकिनी पहनी हुई है जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। ओपन हेयर और नो मेकअप लुक में एक्ट्रेस राधिका सेठ के लुक ने एक बार फिर से फैंस को हैरान कर दिया है। कातिलाना अदाएं और सेक्सी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई एक्ट्रेस राधिका सेठ ने बेहद ही हॉट फोटोज क्लिक करवाई हैं।

मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है

कृतिका कामरा

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा कि यह कभी न खत्म होने वाली बहस है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसकी बहस में पड़ना सही नहीं है, क्योंकि आखिरी में दर्शक ही होते हैं जो एक कलाकार की किस्मत का फैसला करते हैं।

अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा, "मैंने हमेशा अपने काम पर विश्वास किया है। मैं किसी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची। मुझे जो भी अवसर मिले हैं, वे वर्षों की कड़ी मेहनत और मेरी दृढ़ता का परिणाम हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है ,क्योंकि अंत में दर्शक ही होते हैं जो आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन सभी भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं, और यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस उद्योग में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में भी सफल हो सकते हैं।"

अभिनेत्री को हाल ही में थ्रिलर सीरीज "ग्यारह ग्यारह" में देखा गया था। यह सीरीज कोरियाई शो "सिग्नल" का रूपांतरण है। इस शो में राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी हैं।

वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निमार्ता नागराज मंजुले की "मटका किंग" में दिखाई देंगी।

'मटका किंग' मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाता है।

सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं।

कृतिका ने 'कितनी मोहब्बत है' शो में आरोही शर्मा की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्हें 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोर्टर्स' और 'प्रेम या पहेली – चंद्रकांता' जैसे शो में देखा गया।

अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7' में भी भाग लिया है और 'तांडव' और 'बंबई मेरी जान' जैसी सीरीज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

जैकलीन फर्नांडीस ने शेयर की मोनोकिनी में तस्वीरें

अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस ने मोनोकिनी में अपनी आकर्षक तस्वीरें साझा की है। उनकी इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर आग लगा दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर 70.6 मिलियन फॉलोअर्स वाली जैकलीन ने कई तस्वीरें अपलोड की है। तस्वीरों में वह एक सफेद मोनोकिनी पहने हुए दिख रही हैं, जिसमें एक स्वीटहार्ट नेकलाइन है। उन्होंने एक छोटी सफेद पोशाक भी पहनी हुई है, जो गुड़िया जैसी लग रही है। इस दौरान वह रेत और समुद्र में आनंद लेती हुई दिखाई दे रही हैं।

हालांकि, जैकलीन ने तस्वीरों के साथ जगह का जिक्र नहीं किया है। उन्होंने तस्वीरों के साथ एक इमोजी का प्रयोग किया है।

उनके एक प्रशंसक ने लिखा, "बार्बी"

वहीं एक दूसरे प्रशंसक ने कहा, "इन तस्वीरों ने मेरा दिन बना दिया।"

एक और प्रशंसक ने कहा "आप हमें भड़का रही हैं।"

श्रीलंकाई अभिनेत्री और मॉडल जैकलीन ने 2009 में सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित फंतासी एक्शन कॉमेडी 'अलादीन' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी।

इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, संजय दत्त और रितेश देशमुख ने अभिनय किया था।

इसके बाद उन्होंने 2010 की कॉमेडी ड्रामा 'हाउसफुल' में एक विशेष गीत 'आपका क्या होगा' में अभिनय किया था।

अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस 'रेस 2', 'किक', 'रॉय', 'ब्रदर्स', 'हाउसफुल 3', 'ढिशूम', 'ए जेंटलमैन', 'जुड़वा 2', 'रेस 3', 'ड्राइव', 'मिसेज सीरियल किलर', 'भूत पुलिस', 'बच्चन पांडे', 'विक्रांत रोना', 'राम सेतु' और 'सर्कस' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

उन्हें आखिरी बार 2023 में राज मेहता द्वारा निर्देशित और स्टार स्टूडियो धर्मा प्रोडक्शंस, मैजिक फ्रेम्स, पृथ्वीराज प्रोडक्शंस और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित कॉमेडी-ड्रामा 'सेल्फी' के गाने 'दीवाने' में एक विशेष भूमिका में देखा गया था।

फिल्म में अक्षय कुमार और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में हैं। जैकलीन की अगली फिल्म 'फतेह' और 'वेलकम टू द जंगल' पाइपलाइन में हैं।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes